वर्ष-14 - अंक 100
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
रविवार,19 जुलाई 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

नगर निगम का स्वच्छता और अतिक्रमण पर एक्शन..... 3

नीट में बदलता सामाजिक परिदृश्य 4

बघेला नाला का जलस्तर बढ़ा, किसान चिंतित..... 02

सोनम वांगचुक के समर्थन में विपक्ष का केंद्र पर हमला

लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन का लगाया आरोप

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। विभिन्न नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए सरकार से संवाद का रास्ता अपनाने की मांग की। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि सोनम वांगचुक कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने देश के कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया है। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है, जहां संविधान सभी नागरिकों को अपनी बात रखने का अधिकार देता है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने आरोप लगाया कि वांगचुक 20 दिनों से शांतिपूर्ण भूख हड़ताल पर थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें जबरन हटाया। उन्होंने कहा कि सरकार संवाद के बजाय सत्ता के अहंकार में लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का प्रयास कर रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की नेता महुआ माजी ने कहा कि जंतर-मंतर से वांगचुक को अस्पताल ले जाने की कार्रवाई यह दर्शाती है कि सरकार उनके आंदोलन से घबरा गई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने कहा कि वांगचुक युवाओं की समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण अनशन कर रहे थे। उन्हें इस तरह हटाना लोकतंत्र का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने आंदोलनकारियों से संवाद करने के बजाय दमन का रास्ता अपनाया। असम के रायजोर दल के प्रमुख एवं विधायक अखिल गोगोई ने कहा कि सोनम वांगचुक की मांग परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की थी, जिसमें कुछ भी अनुचित नहीं है। वहीं, लद्दाख से सांसद मोहम्मद हनीफा जान ने कहा कि वांगचुक की सेहत को लेकर पूरे लद्दाख में चिंता है। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने वांगचुक से अनशन समाप्त करने की अपील की थी और उन्होंने भी यही आग्रह किया था। विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार से आंदोलनकारियों के साथ संवाद स्थापित कर लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने की मांग की।

खराब मौसम के चलते अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित

श्रीनगर(एजेंसी)। खराब मौसम की चेतावनी के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने एहतियातन 19 जुलाई से वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों से पवित्र गुफा की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों में भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ की आशंका जताई है। इसी के मद्देनजर रविवार से बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी (पहलगाम) बेस कैंपों से किसी भी श्रद्धालु को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पूरी तरह एहतियात के तौर पर लिया गया है, ताकि यात्रा मार्ग पर मौसम जनित किसी भी खतरे से श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों के अनुसार, मौसम में सुधार और यात्रा मार्ग की सुरक्षा का आकलन करने के बाद ही यात्रा दोबारा शुरू करने पर फैसला लिया जाएगा।

कर्नाटक कैबिनेट विस्तार पर हलचल तेज, सीएम शिवकुमार ने खरगे से की मुलाकात

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक में लंबे समय से लंबित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बेंगलुरु में मुलाकात की। माना जा रहा है कि बैठक में कैबिनेट विस्तार और उससे जुड़े राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा हुई, हालांकि कांग्रेस की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कांग्रेस नेतृत्व के साथ दिल्ली में हुई हालिया बैठकों की जानकारी खरगे को दी। कैबिनेट विस्तार पर चर्चा के लिए शिवकुमार और राज्य कांग्रेस के अन्य नेता दिल्ली गए थे, लेकिन निजी कारणों से खरगे बेंगलुरु में ही रहे। ऐसे में मुख्यमंत्री ने लौटने के बाद उनसे मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। दिल्ली में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में शिवकुमार ने कहा था कि राज्य के नेताओं ने मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अपनी राय पार्टी नेतृत्व के समक्ष रख दी है। अब अंतिम निर्णय कांग्रेस हाईकमान को लेना है। उन्होंने कहा कि जैसे ही नेतृत्व से निर्देश मिलेगा, कैबिनेट विस्तार की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। गौरतलब है कि गुरुवार को शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला भी मौजूद थे।

राम मंदिर ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा निर्मोही अखाड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। श्री पंच रामानंदी निर्मोही अखाड़ा ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दाखिल कर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग की है। अखाड़े का कहना है कि 9 नवंबर 2019 के अयोध्या फैसले में उसे राम मंदिर के प्रबंधन में उचित प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक इसका पालन नहीं हुआ। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ट्रस्ट का गठन तो किया, लेकिन उसकी संरचना में निर्मोही अखाड़े को अपेक्षित स्थान नहीं दिया गया। अखाड़े ने ट्रस्ट को सार्वजनिक (पब्लिक) ट्रस्ट का स्वरूप देने की मांग करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। साथ ही, सरकार द्वारा किसी एक व्यक्ति की नियुक्ति को अखाड़े का प्रतिनिधित्व नहीं माना जा सकता, क्योंकि उसकी परंपरा में प्रतिनिधियों का चयन पंचायत व्यवस्था के तहत सामूहिक रूप से किया जाता है। निर्मोही अखाड़े ने अदालत से राम मंदिर में पूजा, सेवा, भोग, आरती और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में अपनी पारंपरिक भूमिका बहाल करने का भी अनुरोध किया है। अखाड़े का दावा है कि वह सदियों से रामानंदी परंपरा के तहत इन धार्मिक कार्यों से जुड़ा रहा है। याचिका में राम मंदिर में दान और कीमती सामान के प्रबंधन को लेकर हाल में उठे विवादों का उल्लेख करते हुए ट्रस्ट के कामकाज में अधिक पारदर्शिता और निगरानी की आवश्यकता बताई गई है। साथ ही, मूल विग्रह (मूर्तियों) को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा गया है कि ट्रस्ट को केवल मंदिर का प्रशासन संभालने का अधिकार दिया गया था, मूल विग्रहों को बदलने का नहीं। अखाड़े ने मूल विग्रहों को पुन: गर्भगृह में स्थापित करने अथवा उन्हें अखाड़े को सौंपने की मांग की है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से ट्रस्ट के पुनर्गठन, बोर्ड में निर्मोही अखाड़े को उचित प्रतिनिधित्व, पूजा-पाठ में उसकी भूमिका की मान्यता, ट्रस्टियों की नियुक्ति के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश, 2019 के फैसले के पालन की जांच हेतु स्वतंत्र समिति के गठन तथा ट्रस्ट के वित्तीय और संपत्ति संबंधी लेन-देन का फोरेंसिक ऑडिट कराने के निर्देश देने की मांग की गई है। हालांकि, याचिका में लगाए गए सभी आरोप निर्मोही अखाड़े के हैं और इन पर सुप्रीम कोर्ट ने अभी कोई टिप्पणी या निर्णय नहीं दिया है। मामले में सुनवाई के बाद ही अदालत आगे की कार्रवाई पर फैसला करेगी।

संक्षिप्त ख़बरें

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से फोन पर बात कर उनकी पत्नी चेन्नम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया। चेन्नम्मा का बीमारी के कारण कर्नाटक के बंगलूरू स्थित एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की पत्नी श्रीमती चेन्नम्मा के निधन से गहरा दुख हुआ। वह अपनी सादगी और समाज सेवा के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित थीं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं देवेगौड़ा और उनके पूरे परिवार के साथ हैं। ? शांति। 'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी चेन्नम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें देवेगौड़ा परिवार की 'शांत शक्ति' बताया। उन्होंने कहा कि देवेगौड़ा के साथ उनके लंबे समय से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं और इस दुखद घड़ी में वह परिवार के साथ खड़े हैं।खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, 'पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा के निधन का समाचार सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है।

गोदावरी नदी में मछली पकड़ने गए पांच लोगों की डूबकर मौत, तीन महिलाएं शामिल

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले में शनिवार को गोदावरी नदी में मछली पकड़ने गए पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पोलावरम जिले के प्रभारी पुलिस अधीक्षक अमित बर्दार ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे येटापाका मंडल के गुम्मा कोठागुडेम गांव के पास हुआ। दस लोगों का एक समूह गोदावरी नदी में मछली पकड़ने गया था। सभी लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर तथा कपड़ों और मच्छरदानी की मदद से मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान समूह के पांच लोग नदी के गहरे हिस्से में पहुंच गए और पानी में डूबने लगे। अन्य साथियों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। कुछ देर तक अपने स्तर पर तलाश करने के बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस के अनुसार, नदी में उस समय जलस्तर अधिक नहीं था, लेकिन गहरे हिस्से में चले जाने के कारण हादसा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान चलाया।

रिलायंस एडीए समूह पर सीबीआई का शिकंजा

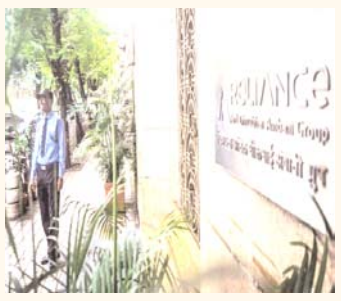

नई दिल्ली/मुंबई(एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को रिलायंस एडीए समूह से जुड़े मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली और मुंबई में 15 परिसरों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के खिलाफ दर्ज मामलों के सिलसिले में की गई है। जांच बैंक फंड की कथित हेराफेरी और ऋणदाता संस्थानों को वित्तीय नुकसान पहुंचाने के आरोपों से जुड़ी है। सीबीआई के अनुसार, तलाशी अभियान में समूह से जुड़ी 23 परस्पर संबद्ध संस्थाएं जांच के दायरे में हैं। एजेंसी का आरोप है कि इन संस्थाओं का इस्तेमाल आरसीएफएल और आरएचएफएल द्वारा लिए गए बैंक ऋण को अन्य रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों में कथित तौर पर स्थानांतरित करने के लिए किया गया, जिससे बैंकों और अन्य ऋणदाता संस्थानों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई की विशेष अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। सीबीआई ने इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) के खिलाफ कुल सात एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शिकायतों के आधार पर दर्ज किए गए हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि शिकायतों में बैंक फंड के कथित दुरुपयोग, ऋण राशि के अनियमित हस्तांतरण और ऋणदाता संस्थानों को वित्तीय नुकसान पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सीबीआई अब मामले से जुड़े वित्तीय लेन-देन और संबंधित कंपनियों की भूमिका की विस्तृत जांच कर रही है।

सीमाओं की सुरक्षा और जवानों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता: अमित शाह

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित जूमागाछ बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) का दौरा कर सीमा सुरक्षा को मजबूत करने वाली स्वदेशी और अत्याधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सुरक्षा बलों के जवानों और उनके परिजनों का कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए सीमा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने 47 करोड़ रुपये की लागत वाली बीएसएफ की तीन परियोजनाओं का ई-शिलान्यास किया। इसके अलावा भारत-बांग्लादेश सीमा पर दो सीमा चौकियों के लिए नवअधिग्रहित भूमि पर लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से चार किलोमीटर लंबी सीमा तारबंदी निर्माण योजना का भी ई-शिलान्यास किया। इसके साथ ही बीएसएफ की 77.06 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। दौरे के दौरान अमित शाह ने रेडियो आधारित बाड़ भेदन पहचान प्रणाली का अवलोकन किया। इस प्रणाली के माध्यम से सीमा पर लगी बाड़ से किसी प्रकार की छेड़छाड़ होने पर पूर्व-रिकॉर्डेड संदेश के जरिए जवानों को तत्काल सतर्क किया जाता है। उन्होंने दुर्गम और नदी-नालों वाले क्षेत्रों में तैनात इन्फ्रा-रेड अलार्म सिस्टम का भी निरीक्षण किया, जो किसी भी अवरोध की स्थिति में जवानों को तत्काल खतरे की सूचना देता है। गृह मंत्री ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर नागरिकों और किसानों की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही के लिए विकसित गेट मैनेजमेंट सिस्टम का भी अवलोकन किया। उन्होंने बीएसएफ के वॉच टावर का निरीक्षण किया और परिसर में पौधारोपण भी किया।

लखनऊ से श्रीनगर की सीधी उड़ान बंद

अमरनाथ यात्रियों की बढ़ीं मुश्किलें

लखनऊ(एजेंसी)। लखनऊ से श्रीनगर के लिए सीधी उड़ान सेवा बंद होने और जम्मू जाने वाली ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची के कारण अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की परेशानियां बढ़ गई हैं। यात्रियों को अब महंगी कनेक्टिंग उड़ानों और लंबी वेटिंग वाली ट्रेनों का सहारा लेना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं ने केंद्र सरकार और रेलवे से अमरनाथ यात्रा के दौरान विशेष ट्रेनें चलाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद से लखनऊ से श्रीनगर के लिए संचालित सीधी उड़ान सेवा बंद है। पहले यह उड़ान यात्रियों को करीब दो घंटे में श्रीनगर पहुंचा देती थी, जहां से श्रद्धालु टैक्सी के जरिए पहलगाम और चंदनबाड़ी पहुंचकर बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए यात्रा शुरू करते थे। सीधी उड़ान बंद होने के बाद अब यात्रियों को दिल्ली या अन्य शहरों के रास्ते कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी पड़ रही है। इससे यात्रा का समय बढ़ने के साथ खर्च भी काफी बढ़ गया है।

राहुल गांधी ने किया सोनम वांगचुक का समर्थन, बोले- 'असत्य और हिंसा' मोदी सरकार के मूल सिद्धांत

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल ले जाने की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत 'असत्य और हिंसा' हैं तथा शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने वालों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को उस समय जंतर-मंतर से हटाया गया, जब वह अहिंसक तरीके से भूख हड़ताल पर बैठे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या जैसे मुद्दे देश के भविष्य से जुड़े गंभीर विषय हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को उठाने वालों की आवाज को बल प्रयोग से दबाया नहीं जा सकता। राहुल गांधी ने कहा, 'कितना भी बल प्रयोग कर लिया जाए, भारत के छात्रों और उन लोगों को, जो उनसे प्रेम करते हैं और उन पर विश्वास रखते हैं, इन मुद्दों को उठाने से नहीं रोका जा सकता।' उधर, कांग्रेस पार्टी ने भी जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान पर 'कलंक' बताया। पार्टी का कहना है कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे व्यक्ति को इस तरह हटाया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। वहीं, दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें डॉक्टरों की सलाह और दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना प्राथमिकता थी। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे।

देहरादून-ऋषिकेश फोरलेन परियोजना पर सीएम धामी का बड़ा फैसला

जनभावनाओं और पर्यावरण संरक्षण को दी प्राथमिकता, सभी हितधारकों से दोबारा संवाद के निर्देश

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून-ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को लेकर बड़ा निर्णय लेते हुए परियोजना के तहत प्रस्तावित पेड़ों की कटाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जब तक स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ संतोषजनक सहमति नहीं बन जाती, तब तक पेड़ों का कटान नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से इस परियोजना को लेकर स्थानीय नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा अपनी चिंताएं और सुझाव लगातार सामने रखे जा रहे थे। राज्य सरकार ने इन सभी सुझावों और जनभावनाओं का गंभीरता से संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि विकास राज्य की आवश्यकता है, लेकिन विकास कार्यों के नाम पर पर्यावरण और जनता की भावनाओं की अनदेखी नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री ने बताया कि देहरादून-ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन परियोजना भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना है। इस परियोजना पर उच्च न्यायालय के निर्देशों तथा सभी आवश्यक वैधानिक और पर्यावरणीय स्वीकृतियों का पालन करते हुए कार्यवाही की जा रही थी। इसके बावजूद राज्य सरकार का प्रयास है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन कायम रखा जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना के डिजाइन में वन्यजीव संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इसके तहत लगभग 3.5 किलोमीटर लंबा हाथी अंडरपास बनाया जाना प्रस्तावित है, ताकि हाथियों के प्राकृतिक आवागमन में कोई बाधा न आए। इसके अलावा छोटे वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन के लिए विशेष कल्वर्ट का भी प्रावधान किया गया है। इन व्यवस्थाओं से मानव-वन्यजीव संघर्ष में कमी आएगी और सड़क दुर्घटनाओं में वन्यजीवों की मौत की घटनाओं को भी रोका जा सकेगा, जो इस मार्ग पर लंबे समय से एक गंभीर समस्या रही है। मुख्यमंत्री धामी ने प्रमुख सचिव और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परियोजना को लेकर सभी हितधारकों के साथ पुनः विस्तृत संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों के सुझावों को गंभीरता से सुना जाए तथा आवश्यक होने पर परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर पुनर्विचार भी किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय के निर्देशों और निर्णयों का पूर्ण सम्मान करेगी तथा सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए ही आगे की कार्रवाई करेगी। हालांकि, जब तक सभी पक्षों के बीच विश्वास और सहमति का माहौल नहीं बन जाता, तब तक परियोजना के अंतर्गत आने वाले किसी भी पेड़ की कटाई नहीं की जाएगी।

उद्धव ठाकरे ने शुरू किया 'राम रक्षा आंदोलन अयोध्या चढ़ावा मामले पर भाजपा को घेरा

नागपुर(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को नागपुर से 'राम रक्षा आंदोलन' की शुरुआत करते हुए अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। आंदोलन की शुरुआत राम नगर स्थित राम मंदिर में पूजा-अर्चना और राम रक्षा स्तोत्र के सामूहिक पाठ के साथ हुई, जिसमें पार्टी के सांसद, विधायक, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। उद्धव ठाकरे के साथ उनके पुत्र एवं विधायक आदित्य ठाकरे, सांसद संजय राउत सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंदिर में आरती और पूजा के बाद पार्टी नेताओं ने जनसभा को संबोधित किया और इसके बाद विरोध प्रदर्शन किया। सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है और श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चढ़ावे के उपयोग में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कथित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे के प्रबंधन में गड़बड़ी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर पार्टी ने राज्यव्यापी 'राम रक्षा आंदोलन' शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि आरोप सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

संक्षिप्त खबरें

तकनीकी सहायक को रोजगार सेवक संघ ने दी भावभीनी विदाई

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा विकास खण्ड के रतनपुर बीडीओ कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में शनिवार को रोजगार सेवक संघ की ओर से एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त ब्लॉक तकनीकी सहायक अशोक कुमार को माल्यार्पण कर उन्हें उपहार व अंगवस्त्र भेंटकर भावभीनी विदाई दी गई। मूल रूप से महराजगंज जनपद के नगर पालिका फरेंदा के निवासी अशोक कुमार नौतनवा ब्लॉक में ब्लॉक तकनीकी सहायक के पद पर तैनात थे। इस पद पर पांच वर्ष तक अपनी सराहनीय सेवाएं देने के बाद वह बीते 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हुए थे। शनिवार को रोजगार सेवक संघ नौतनवा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से रोजगार सेवक रामकुण्डल गुप्ता, शिवेश पाण्डेय, दिनेश कुमार, रवि भूषण सिंह, शोएब खान सहित भारी संख्या में संगठन के लोग मौजूद रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोपी युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में स्थानीय पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। परसामलिक थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिग लड़की को ग्राम पंचायत झिंगटी टोला मुजहना निवासी युवराज (19) पुत्र दयाशंकर बहला-फुसलाकर भगा ले गया था, जिसके बाद पीड़ित परिजनों ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई थी। परिजनों की इस तहरीर पर पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए आरोपी युवक के खिलाफ धारा 65(1), 137(2), 352, 351(3) एवं 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत मामला पंजीकृत कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। वहीं शनिवार को सेवतरी चौकी प्रभारी पवन कुमार, कांस्टेबल शुशांक शेखर ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी करके बॉर्डर डेवलपमेंट रोड स्थित से आरोपी युवक युवराज को धर दबोचा। पुलिस ने कागजी कार्यवाही के बाद आरोपी युवक को जेल भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि वांछित आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करने के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

दहेज में चार पहिया न मिलने पर पति सहित ससुराल के लोगों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, ससुर, देवर खिलाफ दर्ज किया दहेज उत्पीड़न, मारपीट का केस

सहजनवा सहजनवा थाना क्षेत्र के मिनवा निवासी सोनी जायसवाल पुत्री कमलेश जायसवाल जिनकी शादी 13दिसंबर 2022 को हरपुर बूदहट थाना क्षेत्र के सोनबरसा निवासी विकास जायसवाल के साथ हुई थी। विदाई के बाद जब विवाहिता ससुराल पहुंची तो पति सहित ससुराल के लोग कम दहेज का ताना मारते हुए चार पहिया वाहन की मांग करने लगे। मायके के लोगों द्वारा असमर्थता जाहिर करने पर ससुराल के लोग घरेलू हिंसा करने लगे।14 मार्च 2025 को पति सहित ससुराल के लोग मारपीट कर हाथ तोड़ दिए थे। तभी से मायके रह रही थी। समझौता कर पति ससुराल ले गए। फिर पति द्वारा प्रताड़ित किये जाने के साथ मोबाइल छीन लिया गया। 15 जुलाई 2026 को पति और देवर ने मारपीट कर घायल कर दिया । किसी तरह से भाग कर जान बचाई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति विकास जायसवाल,ससुर राम चंद्र जायसवाल,सास संगीता देवी,देवर विक्रम के खिलाफ दहेज उत्पीड़न,मारपीट,अंगभंग,तथा जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

बघेला नाला का जलस्तर बढ़ा, किसान चिंतित

» जलस्तर बढ़ने से नौतनवां लॉक के दो दर्जन से अधिक गांवों के किसानों की बढ़ी धड़कनें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां ब्लॉक क्षेत्र के सीमावर्ती गांव रेहरा के समीप भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले बघेला नाला का जलस्तर शनिवार की दोपहर अचानक तेजी से बढ़ने लगा। नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में शुक्रवार की रात हुई तेज बारिश के कारण नाले में पानी का इनफ्लो काफी बढ़ गया है। इसके चलते सीमावर्ती इलाकों के किसानों को अपनी धान की रोपी गई फसल के जलमग्न होने की गंभीर चिंता सताने लगी है। यदि जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो सैकड़ों एकड़ फसल पानी में डूब सकती है। बघेला नाले के उफान पर आने से इसके तटवर्ती और आस-पास के दो दर्जन से अधिक गांवों के सीवानों में बाढ़ जैसी स्थिति का खतरा मंडराने लगा है। क्षेत्र के रेहरा, महुलानी, परसा बेलभार, मनिकौरा, शंकरपुर, निपनिया, विषखोप, शिवपुरी, लक्ष्मीपुर, परसा, भरटोलिया, जिगिना, श्रीरामपुर, गंगापुर, गंगवलिया, चुड़िहारी, बरनहवा, पिपरवास, मनिकापुर, चकदह, बेलभार और शाहपुर सहित दर्जनों गांवों के किसान अपनी फसलों को लेकर बेहद आशंकित हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने बड़ी लागत और मेहनत से धान की रोपाई की थी, लेकिन अब कुदरत की मार उनकी उम्मीदों पर पानी फेरती नजर आ रही है। नाले के बढ़ते जलस्तर को देखकर प्रभावित क्षेत्र के किसान महबूब अली, गतिराम साहनी, अनिल कुमार पासवान, जयकिशुन यादव, विजय प्रताप सिंह, रामबेलास यादव, जयप्रकाश सिंह, शमशाद खान, विजय कुमार, शफात अहमद, उस्मान खान, कलीम खान, दिनेश, शैलेन्द्र कुमार और जितेन्द्र कुमार ने बताया कि दोपहर बाद से नाले का पानी तेजी से खेतों की तरफ फैल रहा है। जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों ने जिला प्रशासन से इस स्थिति पर नजर रखने और उचित प्रबंध करने की मांग की है।

लबालब पानी भरे रास्ते से गुजरने को मजबूर ग्रामीणों पानी में खड़े होकर किया विरोध

सहजनवा /गोरखपुरः नगर पंचायत सहजनवा में देखा जाय विकास कार्य खोखला दिखाई दे रहा है। जन समस्याओं को लेकर जिम्मेदार और अधिकारी तनिक भी समाधान कराने की कोशिश नहीं कर रहे है। बताते चले कि नगर पंचायत सहजनवा वार्ड 2 बोकटा में एक सार्वजनिक खड़ंजे का निर्माण नगर पंचायत द्वारा कराया गया। इस रास्ते से करीब एक दर्जन परिवार के लोगों का आना जाना लगा रहता है। खड़ंजे की बहुत ही दयनीय हो चुकी है गली वाले रास्ते में करीब खड़ंजा दो फीट की गहराई तक धंस चुका है। जैसे ही थोड़ी बरसात होती है,पूरा रास्ता जलमग्न हो जाता है। मजबूर ग्रामीण इसी लबलबाते हुए कीचड़ से गुजरते है। ग्रामीणों का कहना है। कई बार जिम्मेदारों और अधिकारियों से रास्ते की मरम्मत कराने की शिकायत किया गया। लेकिन अभी तक मरम्मत नहीं कराया गया। इस संदर्भ में अधिशासी अधिकारी सूर्यकांत ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। इसे दिखाकर समस्या दूर कराया जायेगा। विरोध करने वालो में गोलू राय, सुनीता यादव, ओम प्रकाश यादव, विवेक यादव, पूनम यादव, कमलेश साहनी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

गोला समाधान दिवस में संवेदनशील प्रशासन

» कैंसर पीड़ित को मौके पर मिला अंत्योदय राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर गोला तहसील परिसर में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस उस समय संवेदनशील प्रशासनिक पहल का उदाहरण बन गया, जब ग्राम डढ़ियां निवासी एवं मुंह के कैंसर से पीड़ित राम सुधाकर दुबे को एक ही मंच से अंत्योदय राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया गया। प्रशासन और संबंधित विभागों की तत्परता से पीड़ित को शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तत्काल मिल गया। संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे नवागत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) गोला मनीष कुमार के समक्ष जब राम सुधाकर दुबे की गंभीर बीमारी और आर्थिक स्थिति का मामला सामने आया तो उन्होंने तत्काल अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। एसडीएम के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग सक्रिय हुआ और आपूर्ति निरीक्षक प्रतीक कुमार राय तथा विभागीय कर्मचारी कृष्णा ने मौके पर ही पीड़ित का अंत्योदय राशन कार्ड जारी कर उसे एसडीएम के हाथों प्रदान कराया। इसके साथ ही एसडीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला के अधीक्षक डॉ. अमरेंद्र नाथ ठाकुर को तत्काल आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आदेश मिलते ही सीएचसी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राम सुधाकर दुबे का आयुष्मान कार्ड भी बनाकर उन्हें सौंप दिया।

अब अंत्योदय कार्ड मिलने से पीड़ित परिवार को अत्यंत रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध होगा, वहीं आयुष्मान कार्ड के जरिए कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार में शासन द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ भी मिल सकेगा। प्रशासन की इस त्वरित पहल से पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है। कार्ड प्राप्त करने के बाद भावुक हुए राम सुधाकर दुबे ने कहा कि गंभीर बीमारी के कारण परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था। ऐसे समय में तहसील प्रशासन, खाद्य एवं रसद विभाग तथा सीएचसी गोला की तत्परता ने उन्हें नई उम्मीद दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए एसडीएम गोला, खाद्य विभाग और स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण समाधान दिवस में हुई इस मानवीय पहल की लोगों ने भी सराहना की। उपस्थित अधिकारियों और फरियादियों ने कहा कि यदि इसी प्रकार पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे तो शासन की मंशा धरातल पर और अधिक प्रभावी ढंग से साकार होगी।

गोला समाधान दिवस में अफसरों को लगी फटकार

» पास बैठे तहसीलदार को 2-बार व्यवस्थाएं जांचने के लिए भेजा 120 शिकायती पत्र आये निस्तारण शून्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर खजनी तहसील में जुलाई महीने का दूसरा समाधान दिवस जिला अधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें फरियादियों की भीड़ रही, कुल-120 फरियादी समस्याएं लेकर पहुंचे,दोपहर-12.10बजे तहसील में पहुंचे डीएम ने 1.13-बजे तक दर्जनों लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच और समाधान कराने का आदेश दिया। समाधान दिवस में सीधे प्रार्थनापत्र लेकर पहुंचे फरियादियों से डीएम ने पूछा कि शिकायत की रजिस्टर में इंट्री क्यों नहीं हुई तथा फरियादियों को उसकी पर्ची (रसीद) क्यों नहीं दी गई है,उन्होंने एसडीएम खजनी को हिदायत देते हुए कहा कि पिछली बार भी उन्होंने समस्याएं लेकर पहुंचने वाले फरियादियों के प्रार्थनापत्रों की रजिस्टर में इंट्री करके तत्काल उन्हें रसीद देने का निर्देश दिया था। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि इंट्री करने वाले कर्मचारियों की संख्या और काउंटर बढ़ा दिए जाएं समस्याएं लेकर आने वाले पीड़ितों को लाइन में खड़े रख कर परेशान करना और अनावश्यक भीड़ बढ़ाना ठीक नहीं उन्होंने अपने बगल में बैठे तहसीलदार को बाहर निकलकर व्यवस्था ठीक करने का निर्देश दिया,इस बीच तहसीलदार जब वापस आ कर बैठे तो उन्होंने बेरूखी से कहा कि आप को मना किया है कि आप यहां नहीं बैठेंगे उठिए और तुरंत बाहर निकलकर काउंटर की व्यवस्था ठीक कराईए। सामने लेखपालों को खड़े देखकर डीएम ने कहा कि यह सब अपने क्षेत्र की शिकायत लेकर आने वाले फरियादियों को रोकने के लिए खड़े हैं।

जमीन के बंटवारे की समस्या लेकर दूसरी बार पहुंची ढेबरा गांव की बुजुर्ग महिला कलावती (80 वर्ष) को कुर्सी मंगाकर सामने बैठाया और कार्रवाई का निर्देश दिया। ढखवां गांव के विरेन्द्र और सरबसीं गांव के विनय सिंह ने मरम्मत न होने से टूट-फूट कर खराब सड़कों की समस्या बताई, जिसमें डीएम ने पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियंता को कार्रवाई का आदेश देते हुए कहा कि जून में ही सड़कों की मरम्मत करा देनी चाहिए थी। उन्होंने बीडीओ उरूवां को मौके पर जाकर जांच करने का आदेश दिया वही रवि त्रिपाठी सिसवा एवं नागेंद्र सिंह निवासी देवता और बनकटा का खतौनी में रखवा गलत दर्द होने पर दोनों शिकायती पत्रों को देखते हुए दम तक गए और तत्काल तहसीलदार को निर्देशित किया कि दोनों पत्राली तत्काल तलब करें दोनों दो बार रिमाइंडर किया तुरंत पत्रावली सामने न आने पर उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि दोनों पत्राली शाम तक मेरे समक्ष प्रस्तुत करें वही आज आईजीआरएस के रजिस्टर को तलब किये जाते वक्त रजिस्टर न आने से कहे का विदेश से आ रहा क्या इस अवसर उप जिलाधिकारी खजनी जनपद एवं तहसील के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

जोहर विश्वविद्यालय बचाने को सपा का प्रदर्शन

ध्वस्तीकरण पर रोक, निष्पक्ष जांच और हजारों विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बांगरमऊ में मौलाना मोहम्मद अली जोहर विश्वविद्यालय, रामपुर को बचाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने मोहम्मद इमरान सिद्दीकी के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण पर तत्काल रोक लगाने, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा वहां अध्ययनरत हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि जोहर विश्वविद्यालय प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है, जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में यदि संस्थान के विरुद्ध ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई की जाती है तो इससे हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होगा और शिक्षा व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

सपा नेताओं ने यह भी दावा किया कि विश्वविद्यालय के निर्माण के समय यह क्षेत्र रामपुर विकास प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में शामिल नहीं था। वर्ष 2024 में क्षेत्राधिकार के विस्तार के बाद ही विश्वविद्यालय परिसर विकास प्राधिकरण के दायरे में आया। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार का प्रशासनिक अथवा कानूनी विवाद है तो उसका समाधान संविधान, कानून और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप किया जाना चाहिए, न कि शिक्षा के इतने बड़े केंद्र को नुकसान पहुंचाकर।

प्रदर्शन के उपरांत राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए पार्टी पदाधिकारियों ने पूरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जिला सचिव रामनरेश यादव, नगर अध्यक्ष मेराज खान, टीपू सुल्तान, सोनू मोईद, छात्रसभा के प्रदेश सचिव अहसान हुसैन, सुहेल, शिवा, सगीर, एडवोकेट मुजम्मिल, पवन कुमार, विमल यादव, सुरेश कुमार सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कस्टम अधिकारी बनकर 3.4 करोड़ की ठगी करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

आजमगढ़। कोतवाली पुलिस ने 3.14 करोड़ रुपये की निवेश ठगी के मामले में शनिवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। दोनों पर खुद को कस्टम विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को अधिक मुनाफे का झांसा देने और करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विकास राय और विशाल राय दोनों निवासी जोल्हापुर थाना कंधरापुर जनपद आजमगढ़, वर्तमान पता थाना एसीटी, जनपद गौतमबुद्ध नगर के रूप में हुई है। अनंतपुरा कटरा निवासी शेखर श्रीवास्तव की तहरीर पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। मातवरगंज स्थित एक फ्लैट में रहने वाले विकास राय, विशाल राय समेत अन्य लोगों ने संगठित गिरोह बनाकर निवेश पर 50 से 90 प्रतिशत लाभ का लालच दिया। विकास राय ने खुद को कस्टम विभाग का कर्मचारी बताते हुए फर्जी परिचय पत्र और कूटरचित दस्तावेज दिखाए। साथ ही दिल्ली में अपने रिश्तेदार को कस्टम कमिश्नर बताकर तांबा, कपड़ा, सोना और मोबाइल के कारोबार में निवेश कराने का भरोसा दिलाया।

सराय सुल्तानी में जागरूकता शिविर का आयोजन 22 जुलाई को

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया है कि उ0प्र0 खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की विपणन विकास सहायता योजना (एससीएसपी) के अन्तर्गत विभाग में संचालित योजनाओं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत 22 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे विकास खण्ड गौरा के सराय सुल्तानी में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जायेगा।

नवागत बीईओ का स्वागत, शिक्षा सुधार पर मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ ब्लॉक इकाई नौतनवा के ब्लॉक अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में शिक्षामित्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को नवागत खण्ड शिक्षा अधिकारी सुदामा प्रसाद से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने नवागत बीईओ का माल्यार्पण करने के साथ ही उन्हें स्मृति चिह्न भेंटकर और मुंह मीठा कराकर जोरदार स्वागत किया। शिष्टाचार भेंट के दौरान नौतनवा क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने, शिक्षकों व शिक्षामित्रों द्वारा समय से विद्यालय पहुंचकर शिक्षण कार्य सुनिश्चित करने, उपस्थिति प्रपत्रों के समयबद्ध प्रेषण तथा शिक्षामित्रों की स्थानीय समस्याओं व उनके त्वरित समाधान आदि विभिन्न अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सकारात्मक बातचीत के बीच नवागत बीईओ सुदामा प्रसाद ने संगठन को आश्वस्त किया कि वे पूरी सहयोग की भावना के साथ काम करेंगे और ब्लॉक में बुनियादी शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर ब्लॉक महामंत्री गोविंद साहनी, पूर्णवासी गोंड, विजय कुमार, विभा शुक्ला के अलावा बीआरसी स्टाफ से अनुपम लोहिया, यशवंत चौधरी, संतोष कुमार, सुजीत चौधरी और आलोक कुमार सहित तमाम शिक्षक व शिक्षामित्र मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बरसात में सफाई कर्मियों की सुरक्षा के लिए नगर पालिका अध्यक्ष ने वितरित किए रेनकोट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पडरौना, कुशीनगर। बरसात के मौसम में नगर की स्वच्छता व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा सफाई कर्मियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल ने शनिवार को सफाई कर्मचारियों को रेनकोट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रतिकूल मौसम में भी वे पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान सफाई कर्मियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इसलिए उनकी सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में सफाई कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

नगर पालिका परिषद उनके कल्याण और आवश्यक सुविधाओं के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। रेनकोट वितरण से कर्मचारियों को वर्षा के दौरान कार्य करने में सुविधा मिलेगी और नगर की सफाई व्यवस्था अधिक प्रभावी ढंग से संचालित हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष ने सभी सफाई कर्मियों के परिश्रम, समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी तत्परता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, सफाई कर्मियों ने इस पहल के लिए नगर पालिका अध्यक्ष एवं नगर पालिका प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष 'बुलबुल' जायसवाल, सभासद संतोष मद्धेशिया, रामाश्रय गौतम, श्याम साहा, अब्दुल्ला, छोटे, कयामुद्दीन, सहित भोला साहा, बबलू मोदनवाल, घनश्याम गुप्ता, अरुण पांडेय, आकाश दुबे, संजय कुमार तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उन्नाव में संदिग्ध मौत से सनसनी

● फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, भाई ने पड़ोसी पर लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। शहर से मात्र दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम हुसैन नगर में शनिवार सुबह एक 20 वर्षीय विवाहिता का शव घर के भीतर फांसी के फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और तनाव का माहौल बना हुआ है। मृतका की पहचान हुसैन नगर निवासी 20 वर्षीय पूजा पत्नी कैलाश के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। वहीं पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका के भाई चंद्रशेखर ने पड़ोस में रहने वाले जीशान पर बहन की हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है।

परिजनों के अनुसार कुछ दिन पूर्व पानी को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। उनका आरोप है कि उसी रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया गया है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी परिवार का आपराधिक इतिहास रहा है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो आंदोलन करने को विवश होंगे। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, परिजनों के बयान तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

बस स्टाफ के साथ मारपीट व गुंडागर्दी करने वाले वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। वादी निवासी ग्राम बांगरमऊ, थाना बांगरमऊ, जनपद उन्नाव ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 17 जुलाई को प्रातः गहिरी मोड़, थाना लीलापुर के पास बस में सवार दो यात्रियों द्वारा अपने साथियों को बुलाकर वादी एवं बस स्टाफ के साथ गाली गलौज करते हुए लोहे की रॉड, पेचकस, लात-घूंसों से मारपीट की गई। शोर सुनकर स्थानीय लोगों के आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।इस संबंध में थाना लीलापुर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था।थाना प्रभारी लीलापुर अमला सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 सौरभ यादव मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना लीलापुर पर दर्ज मुकदमा से संबंधित वांछित अभियुक्त फैज पुत्र मो0 नसीम निवासी ग्राम नेवादा मुस्तरका थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 26 वर्ष को थाना क्षेत्रान्तर्गत चमरूपुर शुक्लान के पास गजराही मोड़ से गिरफ्तार किया गया है।

संत रविदास एक्सप्रेस का सुल्तानपुर जंक्शन पर स्वागत

» नई ट्रेन के आगमन पर भाजपाइयों और अनुयायियों ने जताया आभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर जंक्शन पर शनिवार को 'संत रविदास एक्सप्रेस' ट्रेन का स्वागत किया गया। जालंधर कैंट से वाराणसी के बीच शुरू हुई इस नई ट्रेन के आगमन पर संत रविदास के अनुयायियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने संतों व यात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और रेलमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। भारतीय रेलवे ने जालंधर कैंट से वाराणसी के बीच नई ट्रेन संख्या 14624/14623 'संत रविदास एक्सप्रेस' की शुरुआत की है। इस ट्रेन का उद्घाटन 17 जुलाई को जालंधर कैंट से स्पेशल ट्रेन संख्या 04686 के रूप में किया गया था। अपनी उद्घाटन यात्रा के दौरान यह विशेष ट्रेन शनिवार, 18 जुलाई को सुबह 09:33 बजे सुल्तानपुर जंक्शन पहुंची।

सुल्तानपुर जंक्शन पर ट्रेन के आगमन पर श्रद्धालुओं, यात्रियों और साधु-संतों पर फूल बरसाए गए। ट्रेन दो मिनट के ठहराव के बाद सुबह 09:35 बजे वाराणसी के लिए रवाना हुई। सुल्तानपुर से आगे बढ़ते हुए यह ट्रेन जौनपुर सिटी (सुबह 11:01 बजे आगमन) होते हुए दोपहर 12:15 बजे अपने अंतिम गंतव्य वाराणसी जंक्शन पहुंचेगी। संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) को जोड़ने वाली इस ट्रेन के शुरू होने से श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष आलोक आर्या ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं। उन्होंने इस ट्रेन को 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूल मंत्र

पर हो रहे काम का एक उदाहरण बताया। आर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संत शिरोमणि रविदास को जो सम्मान दिया है और समाज को जो संदेश दिया है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने सुल्तानपुर को एक नई एक्सप्रेस ट्रेन मिलने को पूरे जनपद के लिए गौरव और प्रसन्नता की बात बताया। आर्या ने जोर देकर कहा कि राष्ट्र का निर्माण सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि मजबूत इरादों और धरातल पर दिखने वाले कार्यों से होता है, जिसे पीएम मोदी ने साबित करके दिखाया है।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर जिले के बंधुआ कला थाना क्षेत्र में एक 27 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना शुक्रवार रात बंधुआ कला थाना क्षेत्र के ग्राम सभा मनियारी गोठवा अलीगंज में हुई। मृतक की पहचान अजय कुमार कोरी (27) पुत्र शिव कुमार कोरी के रूप में हुई है। उसने अपने घर में पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। अजय की शादी डेढ़ वर्ष पहले हुई थी। वह दो भाइयों में बड़ा था और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पिता शिव कुमार, माता आशा देवी और पत्नी तारा देवी हैं। उसका छोटा भाई मुंबई में मजदूरी करता है। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। सुबह परिवार वालों को घटना की जानकारी होने पर उन्होंने स्थानीय पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही बंधुआ कला थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल

अपनी टीम (विजय कुमार पांडे, महेश मौर्य, धर्मेंद्र गुप्ता, मो फरहान) के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पिता की तहरीर पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्राधिकारी नगर राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक शराब पीने का आदी था। पिछली रात भी उसने शराब का सेवन किया था और उसकी अपनी पत्नी से कुछ वाद-विवाद हुआ था। पुलिस ने मौके से आवश्यक साक्ष्य संकलित किए हैं और कानून व्यवस्था सामान्य है।

दुष्कर्म, आईटी एक्ट एवं ब्लैकमेलिंग के अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में थाना कोहंडौर पुलिस द्वारा दुष्कर्म, आईटी एक्ट एवं ब्लैकमेलिंग के अभियोग से संबंधित वांछित अभियुक्त अरविन्द कुमार विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी कोहंडौर धनंजय राय के नेतृत्व में थाना कोहंडौर पुलिस द्वारा धारा 64(2), 308(2), 352, 351(3) बीएनएस एवं 67(ए) आईटी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त अरविन्द कुमार विश्वकर्मा पुत्र ज्वाला प्रसाद निवासी ग्राम सेतापुर नरवा, थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़, उम्र लगभग 35 वर्ष को उसके ससुराल ग्राम भरथीपुर, थाना कंधई, जनपद प्रतापगढ़ से गिरफ्तार किया गया।

योगी सरकार के प्रयासों से यूपी के आम्रपाली आम को मिली वैश्विक पहचान

दो दिनों में 2400 किलो चौसा और आम्रपाली आम यूके निर्यात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध आम्रपाली आम को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिल रही है। योगी सरकार के निरंतर प्रयासों और भारत-यूके व्यापार समझौते के प्रभावी होने के बाद प्रदेश के बागबानों को बड़ा लाभ मिलने लगा है। इसी क्रम में शनिवार को 1200 किलोग्राम आम्रपाली आम की खेप लखनऊ से लंदन के लिए रवाना की गई। अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा ने उद्यान निदेशालय, लखनऊ से निर्यात खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बी.एल. मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व तथा उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार कृषि एवं उद्यान उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। सरकार का उद्देश्य

प्रदेश के किसानों और बागबानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आमों की गुणवत्ता और स्वाद के कारण विदेशों में इनकी मांग लगातार बढ़ रही है। सरकार निर्यात प्रक्रिया को सरल बनाने, गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए भी लगातार प्रयास कर रही है। इससे प्रदेश के बागबानों की आय में वृद्धि होने के साथ-साथ कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। बी.एल. मीणा ने बताया कि कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) और उद्यान विभाग के समन्वित प्रयासों से उत्तर प्रदेश के आमों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिली है। निर्यात के बढ़ते अवसरों से किसानों को बेहतर बाजार और अधिक लाभकारी मूल्य प्राप्त हो रहा है। इससे प्रदेश की पहचान वैश्विक फल बाजार में लगातार मजबूत होती जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले दो दिनों में उत्तर प्रदेश से कुल 2400 किलोग्राम चौसा और आम्रपाली आम की खेप यूनाइटेड किंगडम (यूके) के लिए निर्यात की जा चुकी है। यह उपलब्धि प्रदेश के बागबानों के लिए उत्साहवर्धक है और भविष्य में अन्य कृषि एवं उद्यान उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं को भी बढ़ाएगी। कार्यक्रम में उद्यान विभाग एवं एपीडा के अधिकारियों के साथ संबंधित निर्यातक भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश के आम सहित अन्य कृषि उत्पादों की मांग वैश्विक बाजार में और बढ़ेगी, जिससे प्रदेश के किसानों और बागबानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा तथा उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

निपुण भारत मिशन का होगा विस्तार, बालवाटिका से कक्षा-5 तक तय होंगे अधिगम लक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण का रोडमैप तैयार किया है। नई कार्ययोजना के तहत मिशन का दायरा बालवाटिका से कक्षा-5 तक बढ़ाया जाएगा और प्रत्येक कक्षा के लिए स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप हर बच्चे की मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार करने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि एनसीएफ, एनसीईआरटी और परख के मानकों के अनुरूप कक्षावार अधिगम लक्ष्य तय किए जाएंगे, ताकि कोई भी बच्चा सीखने के निर्धारित स्तर से पीछे न रहे। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में बच्चों के सीखने के स्तर का नियमित मूल्यांकन, लर्निंग गैप की पहचान,

सुधारात्मक शिक्षण तथा शिक्षकों के क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सरकारी विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण, डिजिटल संसाधनों और दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं। कार्ययोजना के तहत कक्षा-3 से 5 तक हिंदी, अंग्रेजी, गणित और पर्यावरण अध्ययन के लिए विषयवार एवं कक्षावार अधिगम लक्ष्य विशेषज्ञों, एससीईआरटी, डायट और शिक्षकों के सहयोग से तैयार किए जाएंगे। नई योजना में केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने के बजाय प्रत्येक बच्चे के वास्तविक सीखने के स्तर पर फोकस किया जाएगा। नियमित फॉर्मेटिव असेसमेंट के माध्यम से बच्चों की प्रगति का आकलन होगा और कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष कैच-अप कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही बालवाटिका स्तर पर स्कूल रेडीनेस, विद्यालय पुस्तकालयों के बेहतर उपयोग, पढ़ने की संस्कृति विकसित करने और अभिभावकों की सहभागिता को भी बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य सरकार के अनुसार, राज्य, जिला, विकासखंड और विद्यालय स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग एवं समीक्षा व्यवस्था लागू कर मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार का दावा है कि यह पहल प्रदेश में बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाएगी और उत्तर प्रदेश को देश के लिए एक मॉडल राज्य के रूप में स्थापित करेगी।

नीट चयनित छात्रों का डीएम-एसपी ने किया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। मेडिकल की सबसे बड़ी परीक्षा नीट में तहसील लहरपुर के सात छात्रों का चयन हमारे क्षेत्र की यह एक उपलब्धि है। निरंतर विगत 7 वर्षों से यह सिलसिला बराबर चल रहा है आज जिलाधिकारी राजा गणपति आर तथा पुलिस अधीक्षक सीतापुर के द्वारा नीट की परीक्षा में चयनित छात्रों को सम्मानित किया गया। जिसमें केरसौरा निवासी अहमद ए हम्जा अंसारी एवं मुबारकपुर निवासी मोहम्मद सैफ अंसारी को सम्मानित किया गया। इसके अलावा धनपुरिया निवासी चंदन मिश्रा ग्राम देईरामा निवासी शिवा वर्मा ग्राम सभा रिहार ब्लॉक बेहटा से रिया सिंह ग्राम सभा दुगना के विष्णु तथा दरियापुर निवासी प्रिंस भारती का चयन मेडिकल की परीक्षा में हुआ है। जिलाधिकारी ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करें और देश की सेवा करें कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी मुबारकपुर प्रधान मोहम्मद शाबान डॉक्टर मोहम्मद इलियास सिराज अहमद मोहम्मद रफीक समेत सैकड़ो की संख्या में सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

लुलु मॉल लखनऊ ने 'फोर एंड फैब्युलस' थीम के साथ मनाई अपनी चौथी वर्षगांठ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 17 जुलाई 2026: लुलु मॉल लखनऊ ने अपनी चौथी वर्षगांठ 'फोर एंड फैब्युलस' थीम के साथ उत्साहपूर्वक मनाई। इस अवसर पर मॉल के रिटेल पार्टनर्स, आमंत्रित अतिथि और लुलु परिवार के सदस्य मौजूद रहे। यह समारोह पिछले चार वर्षों में लखनऊवासियों को बेहतरीन शॉपिंग, मनोरंजन और सामुदायिक अनुभव देने की सफल यात्रा का उत्सव था। समारोह की शुरुआत केक काटकर की गई, जिसमें लखनऊ के लोगों के विश्वास और लगातार मिले सहयोग के लिए उनका धन्यवाद किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री जयकुमार गंगाधरन, निदेशक (उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली-एनसीआर), लुलु ग्रुप इंडिया ने पिछले चार वर्षों में लखनऊ के लोगों द्वारा दिए गए प्यार, विश्वास और सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि लुलु ग्रुप आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में अपने विस्तार की योजना पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि समूह का लक्ष्य अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना,

स्थानीय कारोबार को बढ़ावा देना और क्षेत्र के विकास में अपना योगदान देना है। साथ ही, लुलु ग्रुप आगे भी ग्राहकों को विश्वस्तरीय शॉपिंग, मनोरंजन और बेहतरीन सेवाओं का अनुभव देता रहेगा। शाम का मुख्य आकर्षण लुलु रिटेलर्स अवॉर्ड्स 2026 रहा, जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले रिटेलर्स को सम्मानित किया गया। कुल 27 श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए, जिनके विजेताओं का चयन लखनऊ के लोगों द्वारा की गई पब्लिक वोटिंग के आधार पर हुआ। यूनिकॉर्न, यूनिक्लो, लुई फिलिप, नायका लक्स सहित कई प्रमुख ब्रांड्स को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समीर वर्मा, रीजनल मैनेजर (यूपी, तेलंगाना, दिल्ली एवं एनसीआर), लुलु लखनऊ ने लखनऊ के लोगों, रिटेल पार्टनर्स, कर्मचारियों और सभी सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों की इस सफल यात्रा में सभी का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। अपने उद्घाटन के बाद से ही लुलु मॉल लखनऊ शहर के सबसे पसंदीदा शॉपिंग और फैमिली डेस्टिनेशन में से एक बन चुका है। 300 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ, मॉल ने केवल खरीदारी तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि समय-समय पर कई विशेष कार्यक्रमों और सामाजिक पहलों का आयोजन भी किया। लुलु साइंस फेस्ट, लुलु वेडिंग उत्सव और डॉल्स ऑफ इंडिया जैसी सांस्कृतिक प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से मॉल ने लोगों को मनोरंजन, शिक्षा और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का लगातार प्रयास किया है। पिछले चार वर्षों में लुलु हाइपरमार्केट ने भी गुणवत्तापूर्ण उत्पाद, अंतरराष्ट्रीय विकल्प और बेहतर कीमतों के माध्यम से हजारों परिवारों का विश्वास जीता है। वहीं फनटुरा बच्चों और परिवारों के लिए मनोरंजन का पसंदीदा केंद्र बन चुका है, जहाँ लोग यादगार पल बिताते हैं।

सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने पर बीजेएसपी का विरोध, दो मांगें रखीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में फेसबुक और व्हाट्सएप पर वायरल हो रहे वीडियो को देखकर भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज मोहन सिंह का दिल दहल गया। उन्होंने सोनम वांगचुक को उनके आमरण अनशन स्थल से बलपूर्वक उठाकर ले जाने की घटना को 'अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक' बताया। सिंह ने कहा, 'वीडियो में साफ दिख रहा है कि सादी वर्दी में लोग धोखे से घुसे और अहिंसक आंदोलनकारी को जबरदस्ती उठा ले गए। ये सरकार नहीं, अहंकार है। ये संवाद नहीं, दमन है। 18 जुलाई को घटी इस घटना ने भारत की लोकतांत्रिक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल किया है। 'भारतीय जन समाज पार्टी की 2 पुरज़ोर मांगें: 1. पारदर्शिता: सादी वर्दी में कार्रवाई करने वालों की पहचान सार्वजनिक की जाए। 2. न्यायिक निगरानी: सोनम वांगचुक जी की चिकित्सा न्यायिक निगरानी में कराई जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, 'वांगचुक

जी का जीवन मानवता, पर्यावरण-संरक्षण और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए अनमोल है। पूरी दुनिया इस समय भारत सरकार को संदेह की नजर से देख रही है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय जन समाज पार्टी संविधान, लोकतंत्र और अहिंसक आंदोलन के साथ मजबूती से खड़ी है और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आवाजों का दमन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

संक्षिप्त खबरें

20 जुलाई को घाघरा घाट पर होगा खंडित हनुमान विग्रह का विसर्जन, जल्द होगी नए विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा

बिसवां सीतापुर। गत माह बड़े हनुमानजी मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्राचीन विग्रह के खंडित हो जाने से क्षेत्र के भक्तों में शोक व्याप्त था। अब उसे शास्त्रोक्त विधि-विधान से विसर्जित किया जाएगा। हनुमंत सेवक समिति के पदाधिकारियों अमित अग्रवाल, वीरेश कुमार मिश्र और मुकुट बिहारी बाजपेयी ने संयुक्त रूप से बताया कि खंडित विग्रह का विसर्जन 20 जुलाई 2026, दिन सोमवार को प्रातः 8 बजे घाघरा घाट पर किया जाएगा। पदाधिकारियों ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार खंडित मूर्ति को जल में विसर्जित करने की परंपरा है। विसर्जन से पूर्व मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और हवन किया जाएगा। इसके बाद शोभायात्रा के रूप में विग्रह को बैंड-बाजे के साथ घाघरा घाट ले जाया जाएगा। समिति ने कहा कि विसर्जन के बाद जल्द ही मंदिर में हनुमान जी के नए विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा कराई जाएगी। इसके लिए तिथि का निर्धारण किया जा रहा है। समिति ने क्षेत्रवासियों से विसर्जन कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है ।

पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के विरुद्ध दर्ज किया मुकदमा

बिसवां सीतापुर। जनपद सीतापुर के लंघनिया गांव की विवाहिता सलीमुन निशा पत्नी बरकत अली की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, दुष्कर्म के प्रयास व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि 13 जुलाई की रात उसका देवर कमरे में घुस आया और दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर अन्य स्वजन ने उसके साथ मारपीट की और पति ने तीन तलाक दे दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुत्री के जन्म के बाद उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। कोतवाली प्रभारी राम राघव सिंह ने बताया कि लंघनिया गांव निवासी बरकत अली, रहमत अली, अमीना, फैय्याज और परवीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जाँच शुरू कर दी गई है।

बिसवां बार एसोसिएशन ने दो एसडीएम का किया भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। बिसवा बार एसोसिएशन बिसवा के तत्वाधान में बार सभागार बिसवा में नवागत उपजिलाधिकारी (प्रशासनिक) डॉ. राहुल सिंह एवं नवागत उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सुधीर कुमार द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। बिसवा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राज किशोर यादव एवं सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ अधिवक्ता आर एन सिंह,ब्रजेश नारायण गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया उपाध्यक्ष इंतिखाब आलम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष अनमोल कन्हैया,कैलाश नाथ श्रीवास्तव,सूर्य प्रसाद यादव,प्रमोद कुमार श्रीवास्तव,राजेश वर्मा, मनोज गुप्ता,प्रमोद यादव,जितेन्द्र मिश्रा,अरुण कुमार श्रीवास्तव,अश्वनी श्रीवास्तव, विपिन यादव,शिशुपाल यादव, रवि मौर्या,जीशान खान फूलचंद्र भार्गव, प्रदीप कुमार गौतम आदि अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने दोनों अधिकारियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया तथा उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

उपजिलाधिकारी (प्रशासनिक) डॉ.राहुल सिंह सिद्धार्थनगर जनपद एवं उपजिलाधिकारी (न्यायिक)सुधीर कुमार अयोध्या जनपद से स्थानांतरित होकर हाल ही में तहसील बिसवां पहुंचे हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद दोनों अधिकारियों ने अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन एवं वादकारियों को पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रशासनिक एवं न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने अधिवक्ताओं के सहयोग से कानून के अनुरूप बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने का विश्वास भी जताया। अधिवक्ताओं ने दोनों उपजिलाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में तहसील बिसवां में प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता, कार्यकुशलता तथा जनविश्वास और अधिक मजबूत होगा।

रानीखेड़ा में खुलेगा एसएमटी कॉन्वेंट स्कूल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर रहेगा विशेष जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के रानीखेड़ा बखारी महमूदपुर में जल्द ही एसएमटी कॉन्वेंट स्कूल का शुभारंभ होने जा रहा है। स्कूल प्रबंधन ने बच्चों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उनके सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है। स्कूल के प्रबंधक हिमांशु सिंह ने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी शिक्षक प्रत्येक बच्चे को नियमित रूप से बेहतर तरीके से पढ़ाएंगे तथा प्रतिदिन गृहकार्य भी दिया जाएगा। पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग और अतिरिक्त मार्गदर्शन की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं, बल्कि बच्चों का उज्ज्वल भविष्य और बेहतर करियर तैयार करना है। इसके लिए अनुशासित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के आने-जाने के लिए स्कूल वैन की व्यवस्था भी उपलब्ध कराने की जानकारी दी। प्रबंधन का कहना है कि विद्यालय में सुरक्षित, अनुशासित और बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

सोनम वांगचुक के समर्थन में बिसवां में क्रमिक अनशन प्रारंभ

बिसवां/सीतापुर। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में बिसवां के अधिवक्ताओं, विभिन्न सामाजिक संगठनों तथा मीडिया कर्मियों ने शनिवार को शहीद पार्क में क्रमिक अनशन शुरू किया। आयोजकों का कहना है कि यह अनशन

सोनम वांगचुक द्वारा दिल्ली के जंतर-मंतर पर किए जा रहे आंदोलन के समर्थन में आयोजित किया गयाद्य क्रमिक अनशन के पहले दिन 61 लोगों ने अपना समर्थन दर्ज कराया। प्रथम दिन अनशन पर बिसवां लायर्स एसोसिएशन अध्यक्ष कमलेंद्र बाजपेई अधिवक्ता अश्वनी कुमार त्रिपाठी, इंद्रपाल वर्मा, क्षितिज मिश्रा, राजन मिश्रा, इंतिखाब आलम रजनीश मिश्रा, नईम अंसारी, आनंद मेहरोत्रा, आर.एन. सिंह, विजय अवस्थी, अनुग्रह गुप्ता, अनवर हबीब सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

नगर निगम का स्वच्छता और अतिक्रमण पर एक्शन, जुर्माना भी लगा, अवैध कब्जे भी हटाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम ने शनिवार को शहर में स्वच्छता और अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए कई स्थानों पर कार्रवाई की। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर अलग-अलग जोनों में गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना लगाया गया, अवैध अतिक्रमण हटाए गए और विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। जोन-1 में स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले सात व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर कुल 59,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पांच प्रतिष्ठानों पर 10-10 हजार रुपये तथा अन्य दो प्रतिष्ठानों पर 7,500 और 2,000 रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया। वहीं जोन-5 में आलमबाग चौराहे से मवैया मेट्रो स्टेशन तक सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाकर 20 से अधिक

अवैध ढांचे हटाए गए। कार्रवाई के दौरान 10 ठेले, 4 गुमटियां और 6 काउंटर हटाए गए तथा अन्य सामान भी जब्त किया गया। प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग और गंदगी फैलाने पर 1,000 रुपये का शमन शुल्क भी वसूला गया। उधर जोन-4 में 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत जनेश्वर मिश्रा पार्क से लक्ष्मी मार्केट तक विशेष स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़कों और फुटपाथों की यांत्रिक धुलाई, खरपतवारों की सफाई तथा सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया। अभियान में 280 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। नगर निगम ने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

सूचना

मैं मातादीन सोनी पुत्र स्वर्गीय रामदास सोनी निवासी 4 /167 रुचि खंड - 1 सालेह नगर आशियाना लखनऊ, मैं घोषणा करता हूं कि अपने पुत्र अनुराग सोनी व उसकी पत्नी रागिनी सोनी मेरे व मेरे परिवार के अन्य लोगों के साथ आए दिन लड़ाई झगड़ा एवं बदसलूकी करते हैं इसीलिए मैं तंग आकर अपने पुत्र और बहू को अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है । आज के बाद मेरा अपने पुत्र अनुराग सोनी व बहू रागिनी सोनी से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं रह गया है। अब वह अपने कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे, उनके द्वारा किए गए कृत्यों से परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

संपादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट-'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवीकरणीय ऊर्जा के नये स्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारे प्रयास हों कि तकनीक व अन्य संसाधनों के मामले में 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्यों की प्राथमिकता पर ध्यान दें।

मेष-आज चंद्रमा का गोचर आपकी राशि से छठे भाव में होने जा रहा है। इसके प्रभाव से कार्यक्षेत्र में चल रही प्रतियोगिता में आपको सफलता प्राप्त होगी और आपके विरोधी निष्प्रभावी रहेंगे। नौकरी करने वाले जातकों को उच्च अधिकारियों की ओर से नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। व्यापारिक क्षेत्र में पुराने ग्राहकों के आगमन से धन लाभ होगा।

वृषभ-आज चंद्रमा आपकी राशि से पांचवें भाव में स्थित रहेंगे जिससे विद्यार्थियों और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी में जुटे लोगों के लिए समय अत्यंत अनुकूल सिद्ध होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आपसी तालमेल बेहतर होगा।

मिथुन-आज चंद्रमा का गोचर आपकी राशि से चौथे भाव में रहेगा। इसके कारण घरेलू और पारिवारिक कार्यों में आपकी व्यस्तता अचानक बढ़ सकती है। भूमि, भवन या वाहन से संबंधित अटके हुए कार्य अब गति पकड़ेंगे।

कर्क -आज चंद्रमा आपकी राशि से तीसरे भाव में विराजमान रहेंगे जिसके प्रभाव से आपके आत्मबल और साहस में वृद्धि होगी। लंबे समय से रुके हुए कार्य सहजता से पूरे हो जाएंगे। भाई-बहनों का हर मोड़ पर सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह -आज चंद्रमा का संचरण आपकी राशि से दूसरे भाव में होने जा रहा है। इसके फलस्वरूप आर्थिक मामलों में आपको अभूतपूर्व सफलता मिलने की संभावना है। पूर्व में रुका हुआ या फंसा हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

कन्या-आज चंद्रमा का गोचर आपकी ही राशि में होने जा रहा है। इसके प्रभाव से आपके भीतर गजब का आत्मविश्वास देखने को मिलेगा और आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी।

तुला-आज चंद्रमा आपकी राशि से बारहवें भाव में गोचर करेंगे। इसके कारण आपके अनावश्यक खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए धन के प्रबंधन और बजट पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। विदेश या दूरदराज के क्षेत्रों से जुड़े हुए कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक -आज चंद्रमा आपकी राशि से ग्यारहवें भाव में स्थित रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आपकी आय के नए मार्ग खुलेंगे और धन आगमन के स्रोत बढ़ेंगे। संकट के समय मित्रों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

धनु-आज चंद्रमा का गोचर आपकी राशि से दसवें भाव में होने जा रहा है जिसे कर्म भाव भी कहा जाता है। इसके प्रभाव से आपके करियर में उन्नति और प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर-आज चंद्रमा आपकी राशि से नवम भाव में गोचर करेंगे जो कि भाग्य का स्थान माना जाता है। इसके परिणाम स्वरूप आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और काफी समय से अटके हुए महत्वपूर्ण कार्य संपन्न होंगे।

कुंभ -आज चंद्रमा का संचार आपकी राशि से आठवें भाव में होने जा रहा है, इसलिए आपको किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। विशेष रूप से किसी भी महत्वपूर्ण दस्तावेज या अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से पूर्व उसे अच्छी तरह पढ़ और समझ लें।

मीन -आज चंद्रमा आपकी राशि से सातवें भाव में गोचर करेंगे जिससे आपके दांपत्य जीवन में मधुरता और सद्भाव बढ़ेगा। यदि आप साझेदारी में कोई व्यापार करते हैं तो उससे आपको बड़ा लाभ होने की उम्मीद है। व्यवसाय के सिलसिले में नए समझौते या अनुबंध हो सकते हैं जो भविष्य के लिए लाभकारी रहेंगे। नौकरी में सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा जिससे कार्य समय पर पूरे होंगे।

नीट में बदलता सामाजिक परिदृश्य

**आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानी ईडब्ल्यूएस के छात्रों की वृद्धि सबसे तेज रही है। वर्ष 2020 से 2026 के बीच इस वर्ग के परीक्षार्थियों की संख्या में 76.30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह इस बात का प्रमाण है कि आर्थिक आधार पर दिए गए आरक्षण और सहायता का लाभ बड़ी संख्या में छात्रों तक पहुंच रहा है। इससे ऐसे परिवारों के विद्यार्थियों को भी मेडिकल शिक्षा का सपना पूरा करने का अवसर मिल रहा है जिनके लिए पहले यह राह कठिन थी। सामान्य वर्ग के छात्रों की संख्या में भी वृद्धि हुई है लेकिन यह अन्य वर्गों की तुलना में काफी कम रही। वर्ष 2019 से 2026 के बीच सामान्य वर्ग के परीक्षार्थियों में लगभग 24.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे स्पष्ट होता है कि अब मेडिकल शिक्षा की दौड़ में नए सामाजिक वर्ग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और प्रतियोगिता पहले की तुलना में अधिक व्यापक हो गई है। इन आंकड़ों का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भारत में शिक्षा का लोकतंत्रीकरण तेजी से हो रहा है। मेडिकल जैसी प्रतिष्ठित शिक्षा अब केवल कुछ चुनिंदा वर्गों तक सीमित नहीं रही। सरकारी योजनाएं छात्रवृत्ति डिजिटल शिक्षा ऑनलाइन कोचिंग और ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ती शैक्षणिक सुविधाओं ने इस परिवर्तन को गति दी है। राज्यों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो एक और दिलचस्प तस्वीर सामने आती है। सफलता प्रतिशत के मामले में छोटे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सबसे आगे रहे। चंडीगढ़ में 2622 छात्रों में से 70 प्रतिशत से अधिक छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। मिजोरम मणिपुर नगालैंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इन राज्यों में परीक्षार्थियों की संख्या कम होने के बावजूद सफलता का प्रतिशत काफी अधिक रहा। छोटे राज्यों की इस सफलता के पीछे कई कारण माने जा सकते हैं। वहां छात्रों की संख्या कम होने से शिक्षा व्यवस्था पर दबाव अपेक्षाकृत कम रहता है। शिक्षकों और छात्रों के बीच बेहतर संवाद होता है। कई राज्यों में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी भी कराई जाती है। इसके अलावा विद्यार्थियों में लक्ष्य के प्रति स्पष्टता और अनुशासन भी सफलता का महत्वपूर्ण कारण माना जाता है। बड़े राज्यों की स्थिति अलग रही। उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक 3.28 लाख छात्रों ने परीक्षा दी लेकिन इनमें से लगभग 52 प्रतिशत ही सफल हो सके। महाराष्ट्र में लगभग 53 प्रतिशत और बिहार में लगभग 49 प्रतिशत छात्र सफल रहे। इन राज्यों में परीक्षार्थियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण प्रतियोगिता भी बेहद कठिन होती है। इसके साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संसाधनों का अंतर भी परिणामों को प्रभावित करता है। राजस्थान इस मामले में सबसे बड़ा अपवाद बनकर सामने आया। लगभग 1.92 लाख परीक्षार्थियों में से 69.34 प्रतिशत छात्रों का सफल होना पूरे देश के लिए चर्चा का विषय है। पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान विशेषकर कोटा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। यहां विकसित कोचिंग व्यवस्था अनुभवी शिक्षकों और प्रतिस्पर्धी माहौल का सकारात्मक प्रभाव परिणामों में दिखाई देता है। टॉप रैंक हासिल करने वाले छात्रों का विश्लेषण भी कई महत्वपूर्ण संकेत देता है। शीर्ष 138 छात्रों में 109 लड़के और 29 लड़कियां शामिल हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि लड़कियों की भागीदारी लगातार बढ़ने के बावजूद शीर्ष स्थानों पर अभी भी लड़कों का दबदबा बना हुआ है। आने वाले वर्षों में लड़कियों को और बेहतर अवसर तथा संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता बनी रहेगी। राज्यवार देखें तो शीर्ष रैंक प्राप्त करने वालों में राजस्थान सबसे आगे रहा। इसके बाद महाराष्ट्र तमिलनाडु दिल्ली पंजाब उत्तर प्रदेश गुजरात हरियाणा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का स्थान रहा। यह सूची बताती है कि जहां मजबूत शैक्षणिक ढांचा और प्रतियोगी माहौल उपलब्ध है वहां से बड़ी संख्या में उत्कृष्ट परिणाम सामने आते हैं। नीट 2026 के परिणाम केवल परीक्षा का परिणाम नहीं बल्कि भारत के बदलते सामाजिक और शैक्षणिक स्वरूप की कहानी भी हैं। पिछड़े वर्गों की बढ़ती भागीदारी आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की तेज प्रगति छोटे राज्यों का बेहतर प्रदर्शन और राजस्थान जैसे राज्यों की सफलता यह सभी संकेत देते हैं कि देश में प्रतिभा अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग तक सीमित नहीं है। आने वाले समय में यदि शिक्षा की गुणवत्ता समान रूप से पूरे देश में उपलब्ध कराई जाए, ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर विद्यालय और विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा मिले तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को पर्याप्त सहायता मिलती रहे तो भारत को और अधिक योग्य डॉक्टर मिलेंगे। इससे केवल स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत नहीं होगी बल्कि सामाजिक समानता और अवसरों की बराबरी का सपना भी और मजबूत होगा। नीट 2026 ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत अवसर और सही नीतियां मिल जाएं तो देश का हर वर्ग और हर क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दे सकता है। यही बदलते भारत की सबसे बड़ी पहचान है।

कांतिलाल मांडोत

देश की भावी पीढ़ी को नशे से बचाना है तो - सरकार और समाज साथ आएँ

दुनिया में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी जाति, मजहब या धर्म का हो अथवा कितना भी दुर्दांत और कुख्यात अपराधी क्यों न हो, कभी यह नहीं चाहेगा कि उसके बच्चे नशीले पदार्थों का सेवन करें या अपराध की दुनिया में कदम रखें। हर माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर संस्कार, उत्तम शिक्षा और सुरक्षित भविष्य देने का सपना देखते हैं। विडंबना यह है कि मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त लोग भी अपने बच्चों को नशे से कोसों दूर रखते हैं, लेकिन दूसरों के बच्चों को नशे की गिरफ्त में धकेल कर अपने परिवार का भविष्य संवारने का प्रयास करते हैं। यह सामाजिक और नैतिक पतन का सबसे भयावह स्वरूप है। इतिहास गवाह है कि कोई भी युद्ध हो या सामाजिक अभियान, जनभागीदारी के बिना उसकी सफलता अधूरी रहती है। सरकारें चाहे कितने ही प्रयास कर लें, यदि समाज स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाता तो ऐसे अभियान केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। यही स्थिति देश में नशा मुक्ति अभियान की भी है।

केंद्र और राज्य सरकारें वर्षों से युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही हैं। समय समय पर कानूनों को सख्त किया जाता है, तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई होती है और जनजागरण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इसके बावजूद भारत में मादक पदार्थों का अवैध कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। यह हमारे सुरक्षा तंत्र, सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी तीनों के लिए गंभीर चुनौती है। यह स्वीकार करने का समय आ गया है कि नशे की समस्या अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह छोटे शहरों, कस्बों और दूरदराज के ग्रामीण अंचलों तक अपने पैर पसार चुकी है। नशे का यह मकड़जाल देश की युवा पीढ़ी को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है, जो अत्यंत चिंताजनक है। यदि समय रहते इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो इसके दूरगामी दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतने पड़ेंगे। सरकारें हर वर्ष अपनी क्षमता के अनुसार नशा मुक्ति के लिए अभियान चलाती हैं, लेकिन सामाजिक भागीदारी और राजनीतिक एकजुटता के अभाव में इन प्रयासों का अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता। नशे का कारोबार किसी भी देश के लिए आतंकवाद से कम खतरनाक नहीं है, क्योंकि आतंकवाद सीमित समय और क्षेत्र में नुकसान पहुंचाता है, जबकि नशा धीरे धीरे पूरी पीढ़ी को भीतर से खोखला कर देता है। यदि वास्तव में भारत को नशामुक्त बनाना है तो केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ सभी धर्मों, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और जागरूक नागरिकों को भी आगे आना होगा।

प्रत्येक समाज को अपने बीच छिपे उन लोगों की पहचान करनी होगी जो मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त हैं, चोरी छिपे नशा बेचते हैं या ऐसे अपराधियों को संरक्षण प्रदान करते हैं।

जब तक समाज स्वयं ऐसे तत्वों को बेनकाब कर उनका सामाजिक बहिष्कार नहीं करेगा, तब तक कोई भी सरकार इस अवैध कारोबार को स्थायी रूप से समाप्त नहीं कर सकती। आज आवश्यकता केवल सरकारी कार्रवाई की नहीं, बल्कि सामाजिक जागरण की है। अभिभावकों, शिक्षकों, धार्मिक नेताओं, सामाजिक संस्थाओं और युवाओं को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहाँ नशे के प्रति घृणा और स्वस्थ जीवन के प्रति सम्मान की भावना विकसित हो। यही वह सामूहिक शक्ति है जो नशे के नेटवर्क को कमजोर कर सकती है। देश की भावी पीढ़ी को नशे से बचाना केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज का नैतिक कर्तव्य है।

यदि सरकार और समाज कंधे से कंधा मिलाकर इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप दें, तभी हम अपनी युवा पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दे सकेंगे और एक स्वस्थ, सशक्त तथा नशा मुक्त भारत का निर्माण कर पाएँगे।

एकजुटता और सद्भाव के प्रतीक थे तेजा सिंह समुंदरी

The Tribune.
Extraordinary.
VOL. XLII. LAHORE, SUNDAY, SEPTEMBER 3, 1922 No. 205.
The "Guru-ka-Bagh" Affair. THE OFFICIAL VERSION.
POLICE MEASURES DEFENDED.
A Prohibited Dewan.
No Insult offered to Guru Granth Sahib.
OFFICIAL STATEMENT ISSUED
THE "GURU-KA-BAGH" AFFAIR.
"HEARTLESS" BEATING OF AKALIS
OR
"AN ENGLISH SCHOOL-BOY BEATING?"
PANDIT MALAVIYA ON THE SPOT.
THE TRIBUNE, FRIDAY SEPTEMBER 1 1922.
THE "GURU-KA-BAGH" AFFAIR.
IMPRESSIONS OF AN EYE-WITNESS.
MORE BEATING OF AKALIS.
A GRAVE SITUATION.

बहुत कम लोगों को ही सरदार तेजा सिंह समुंदरी जैसे महान राष्ट्रीय नेता का योगदान याद होगा। उनका निधन, 100 साल पहले, 17 जुलाई, 1926 को, 44 साल की उम्र में लाहौर किले में हुआ था। वहां उन्हें ब्रिटिश सरकार ने नाभा की राजगद्दी से हटाए गए महाराजा रिपुदमन सिंह को फिर से सत्तासीन करवाने को लेकर हुए आंदोलन में भाग लेने के कारण कैद कर रखा था। मुझे तेजा सिंह समुंदरी के बारे में पहली बार पता अपने परदादा, प्रोफ़ेसर रुचि राम साहनी की अप्रकाशित डायरियों से चला। बहुत कम उम्र में ही, प्रोफ़ेसर साहनी ने 'हिस्ट्री ऑफ़ माई ओन टाइम्स' (मेरे वक्त का इतिहासनामा) तैयार करने का फ़ैसला किया था। उन्हें उम्मीद थी कि 'वे उस रोमांचक दौर की झलक- वह धुंधली ही क्यों न हो, जिसमें उन्हें जीने का सौभाग्य मिला था, उसे संजोकर, अपने पाठकों के लिए शब्दों में पिरो सकेंगे'। इनमें से एक अंक अकाली आंदोलन पर था। रुचि राम साहनी का अकाली आंदोलन से परिचय 1922-23 में गुरु-का-बाग़ मोर्चे से हुआ। यह सिखों का एक अहिंसक आंदोलन था। जो इसलिए शुरू हुआ कि गुरु-का-बाग़ गुरुद्वारे के पूर्व महंत ने एक पुरानी परंपरा पर आपत्ति जताई थी, जिसके तहत गुरु-के-लंगर के लिए जलाऊ लकड़ी गुरुद्वारे की ज़मीन पर उगे कीकर के पेड़ों से ली जाती थी। अगस्त 1922 में, अंग्रेज़ों ने महंत का साथ दिया और बिना इजाज़त ज़मीन में घुसपैठ के आरोप में पांच सिखों को गिरफ़्तार कर लिया। इसके जवाब में, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने हर दिन पांच सिखों को जलाऊ लकड़ी काटने के लिए भेजने का ऐलान किया। उन्हें रोज़ाना अंग्रेज़ों की मारपीट और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने अन्य भारतीयों से गुरु-का-बाग़ मोर्चे का चश्मदीद गवाह बनने की अपील की, जिसके बाद प्रेस ने इसमें काफ़ी दिलचस्पी दिखाई। पंजाब प्रांत कांग्रेस कमेटी ने हालात का जायज़ा लेने के लिए रुचि राम साहनी और मियां फ़ज़ल दीन को भेजा। साहनी ने जो देखा, उससे वे बहुत प्रभावित हुए व लिखा : 'मैं स्वीकार करता हूं कि जब तक मैंने वह होते हुए अपनी आंखों से नहीं देख लिया, तब तक मुझे सिख शहीदों और उनके गुरुओं की उन गाथाओं पर पूरा यकीन नहीं था, जिनमें बताया जाता है कि उन्होंने न सिर्फ़ बिना डरे, बल्कि खुशी-खुशी और चेहरे पर मुस्कान के साथ अत्यंत क्रूरता का सामना किया क्योंकि उन्हें यकीन था कि अकाल पुरख उनसे ऐसी ही सेवा की उम्मीद करते हैं। मैं उस क्रूरता के बारे में अपनी आंखों देखी बताना चाहता हूं जो 'गुरु-का-बाग' में सैकड़ों लोगों ने रोज़ाना सही थीं। वे होंठों पर 'वाहे गुरु, वाहे गुरु जी' मंत्र जपते हुए ऐसे जुल्म से गुज़रे, जिसके बारे में मैंने अपने समय में किसी और समुदाय के लोगों के साथ होते हुए नहीं सुना।' साहनी 'द ट्रिब्यून' के ट्रस्टी भी थे और उन्होंने अखबार से उन्हें अपना विशेष प्रतिनिधि बनाने के लिए कहा ताकि वे 'गुरु-का-बाग' में हो रही घटनाओं की रिपोर्टिंग कर सकें। वे रोज़ जत्थों के साथ जाते और एसजीपीसी के साथ पर्दे के पीछे रहकर काम भी करते थे। उनकी दी खबरें 'द ट्रिब्यून' में छपीं और बाद में गंडा सिंह द्वारा संपादित किताब 'स्ट्रगल फ़ॉर रिफ़ॉर्म ऑफ़ सिख श्राइन्स' का आधार बनीं।इस किताब में साहनी ने जत्थों का जीवंत वर्णन किया है : 'हर सुबह अकाल तख़्त के सामने 'गुरु-का-बाग' मोर्चे के लिए जत्थों की रवानगी से पहले का नज़ारा प्रेरक होता था। सूरज उगते ही, जत्थे के सदस्य 'अमृत सरोवर' में डुबकी लगाने के बाद वहां इकट्ठा होते।''अकाल तख़्त से प्रस्थान और पवित्र सरोवर की परिक्रमा से होकर, जुलूस के रूप में आगे बढ़ने से पहले, सिख धर्मग्रंथों से भजन गाते थे, कभी-कभी तो बहुत भावुक दृश्य देखने को मिलते। कई बार, पत्नियां, बहनें, माताएं, यहां तक कि बूढ़ी दादी-नानियां भी यह प्रेरक समारोह देखने और अपने प्रियजनों को आशीर्वाद देने दूर-दूर से आतीं। जो एक पवित्र मिशन पर जा रहे थे, लेकिन उन्हें यकीन था कि दिन के अंत में वे उन्हें अपना मकसद पूरा कर वापस आते हुए देखेंगी, शायद गंभीर घायल और नीम बेहोश।' जत्थों का सामना बहुत ज़्यादा क्रूरता से हुआ। रुचि राम साहनी को भी कई बार लाठियां खानी पड़ीं। लेकिन अकाली अपनी राह से नहीं डिगे और गुरुद्वारे की ओर बढ़ते रहते। मोर्चे की कमान एसपीजीसी के पास थी, जिसके अध्यक्ष तेजा सिंह समुंदरी थे। हालांकि, वे साहनी से लगभग 20 साल छोटे थे, फिर भी साहनी उनकी बहुत इज़्ज़त करते थे : 'समुंदरी की चीज़ों को समझने की क्षमता विलक्षण और सटीक थी। वे किसी भी बात के ज़रूरी पहलू तुरंत समझ लेते और उन्हें गैरज़रूरी बातों से अलग कर देख सकते थे... गैरज़रूरी बातों पर लचीला रुख अपनाने को तैयार रहते, लेकिन जिन बातों को वे ज़रूरी और बुनियादी मानते, उन पर अडिग रहते। वे जन्मजात नेता थे; मैंने उन महान दिनों में देखा कि कैसे वे मुश्किल हालात को तुरंत भांप लेते और इतनी तेज़ी से फ़ैसला लेते कि हम में से कई लोग हैरान रह जाते थे।''मेरे वक्त का इतिहासनामा' में समुंदरी के बारे में रुचि राम साहनी लिखते हैं, 'मेरे लिए पाठकों को प्रधान जी (सरदार समुंदरी) के शानदार व्यक्तित्व के बारे में शब्दों में बयां करना कठिन है-मुश्किलों के तूफ़ान, हर तरफ़ से लगातार आ रही मांगों और अक्सर अमृतसर और शिमला में बैठे सर्वशक्तिमान अधिकारियों के कामों-योजनाओं के बारे में परेशान करने वाली खबरों के बीच भी उनका शांत स्वभाव; सूझ-बूझ और मुश्किल स्थिति में भी हंसमुख अंदाज़-ऐसी बातें जो दूसरे नेताओं को हताश कर दें; यह सब और अन्य बहुत कुछ जो उनके व्यवहार में झलकता था, वह उनको देखने वाले हर किसी में उस व्यक्ति के प्रति अटूट भरोसा पैदा कर देता, जिसकी कमान में वे काम कर रहे थे। लंबे और पतली कद-काठी, बिना किसी दिखावे या शानदार लिबास के, एकाएक उन्हें देखकर कोई भी उन्हें मामूली आदमी समझ सकता था। तथापि, ज़रूरत पड़ती, तो भीड़ के बीच तनकर खड़े हो जाते और पूरे भरोसे से ऐसे आदेश देते कि उनकी कही पर बिना हील हुज्जत अमल हो।' एक दिन, समुंदरी ने रुचि राम साहनी से कहा कि उन्होंने मोर्चा जीत लिया है।'लेकिन भाई जी', साहनी ने कहा, 'मोर्चा तो अभी शुरू ही हुआ है। आप कैसे कह सकते हैं कि जीत लिया?' समुंदरी ने स्पष्ट किया : 'चूंकि अमृतसर के एसजीपीसी अस्पताल में काफी संख्या में घायल आंदोलनकारी आ रहे हैं, इसलिए कमेटी को तुरंत दरियों की ज़रूरत पड़ी। मैंने एक दुकानदार से खरीदारी की व बिल भेजने को कहा। अगले दिन, दरियां बिना किसी बिल के आ गईं, लोकल दुकानदारों ने पैसे लेने के बजाय दरियां दान कर दी थीं। मोर्चा 'जीत' लिया, क्योंकि इसने इलाके में ग़ैर-सिखों में भावनात्मक एकजुटता पैदा कर दी है'। आज, हम अक्सर अकाली आंदोलन को राष्ट्रवाद की मुख्यधारा से अलग और सिर्फ़ सिख मुद्दों पर केंद्रित मानते हैं। लेकिन रुचि राम साहनी की बातों से पता चलता है कि ऐसा नहीं था, समाज के हर वर्ग से अकालियों को मिला समर्थन इसका सबूत है। असल में, खुद अकाली आंदोलन ही इसके गवाह हैं।समुंदरी के लिए एकजुटता और सांप्रदायिक सद्भाव अहम आदर्श थे। अप्रैल, 1923 में, बैसाखी के करीब, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक दंगे हुए। शांति बहाली को अकाली जत्थों ने सड़कों पर गश्त की; इसके लिए उन्हीं ब्रिटिश बलों ने उनकी तारीफ़ की, जिन्होंने बीते साल उन्हें जेल में डाला था! दंगे रुके, तो समुंदरी की अगुवाई में शिरोमणि कमेटी ने हिंदू और मुस्लिम समुदायों में दोस्ताना रिश्ते बहाल करने की पहल की। ??वे घर-घर जाकर शांति-सद्भाव की अपील करते। जबकि मौजूदा मुश्किल दौर में, 'सांप्रदायिक सद्भाव' का आदर्श ज़्यादा असरदार नहीं लगता, और न्याय के लिए होने वाले आंदोलनों को अक्सर 'आंदोलनजीवियों' की उपज कहकर खारिज कर दिया जाता है। तेजा सिंह समुंदरी शांति, अहिंसा और सामुदायिक भाईचारे के पक्षधर थे। दुर्भाग्य कि आज हमारे पास तेजा सिंह समुंदरी जैसे कद्दावर नेता नहीं जो हमें सच्चाई और सही रास्ते पर ले जा सकें। कम उम्र में उनकी असमय मौत ने भारत को एक महान नेता से वंचित कर दिया। उन्हें याद करते हुए, हमें उन आदर्शों को भी याद रखना चाहिए जिन पर वे पहरा देते रहे : धर्मों और जातियों के बीच, और पुरुषों और महिलाओं के बीच बराबरी का।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

शौच को गए व्यक्ति की नदी में डूबकर मौत हो गई

बरेली/ विकासखंड भदपुरा की ग्राम पंचायत अमीर नगर मैं आज सुबह गांव का नन्हेंलाल पुत्र भोलाराम गंगवार 65 वर्षीय घर से रोज की तरह शौच करने के लिए गांव के पास वह रही देवहा नदी के तट पर गया था परंतु उपाय किसी कारण बस नदी मेंडूब गया और उसकी मृत्यु हो गई इसकी सूचना क्यों लड़िया के प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह को मिली वह सूचना के अनुसार घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने नदी में डूबे नन्हेंलाल का सब कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोंच(जालौन)- गत रोज बाप-बेटे के साथ गाली-गलौच मारपीट कर घायल कर देने और जान से मारने की धमकी देने की घटना के आरोपी फैज़ान पुत्र गफ्फार निवासी मोहल्ला मालवीय नगर कोंच को दरोगा अभिषेक सिंह ने शनिवार को महंतनगर इलाके में चंदुर्रा सड़क मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार फैजान के विरुद्ध अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब हो कि मोहल्ला मालवीय नगर निवासी हरदास कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि बीती 16 जुलाई को फैजान ने अपने अज्ञात साथियों के साथ मिलकर उसे और उसके बेटे रोहित के साथ गाली गलौच कर मारपीट की जिससे बेटे सहित वह घायल हो गया, साथ ही फैजान ने उसे जान से मारने की भी धमकी दी। वहीं उक्त घटना को लेकर पुलिस ने घायल दोनों का चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए आरोपी फैज़ान सहित उसके अज्ञात साथियों के विरुद्ध दफा 115(2), 351(2), 352, 191(2), 308(5) बीएनएस में एफआईआर दर्ज कर ली थी।

हाथीपुर में हुई हत्या का अनावरण,एक गिरफ्तार

कानपुर। दिनांक 15--07-2026 को थाना महाराजपुर क्षेत्र के ग्राम हाथीगांव में हरिमोहन यादव की धारदार हथियार से हत्या की सूचना पर पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम तथा उच्चाधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किए तथा परिजनों की तहरीर पर हत्या का अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना/जांच के दौरान अभियुक्त धर्मेन्द्र उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर घटना का सफल अनावरण किया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि पूर्व की रंजिश एवं विवाद के चलते उसने घटना कारित की। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल (फरसा) भी बरामद कर लिया गया है। अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। घटना के सफल अनावरण पर थाना महाराजपुर एवं सर्विलांस टीम को 25,000 के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

शासन की योजनाओं का कराया जाएगा शत प्रतिशत क्रियान्वयन- नवागंतुक एसडीएम

कोंच(जालौन)- शासन से स्थानांतरित होकर जनपद जालौन में आए अभिनव कुमार यादव ने एसडीएम कोंच के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। शनिवार को एसडीएम कोंच के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत अभिनव कुमार ने कार्यालय में पदस्थ कर्मियों से परिचय प्राप्त कर कार्यालय का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। वहीं, उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का शत प्रतिशत क्रियान्वयन कराया जाएगा। मामलों में पीड़ित को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जनता से बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। 2020 बैच के पीसीएस अधिकारी /नवागंतुक एसडीएम अभिनव कुमार मूल रूप से जनपद बलिया के निवासी हैं और वह जिला सीतापुर से स्थानांतरित होकर यहां आए हैं, सीतापुर में वह लगातार चार वर्ष तैनात रहे।

रक्षा मंत्री ने डॉ प्रदीप टंडन को आईएमए के नेशनल अवार्ड से किया सम्मानित

कानपुर। डॉ प्रदीप टंडन को आईएमए नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ प्रदीप टंडन को यह अवार्ड उनके द्वारा की गई समाजसेवा के लिए एक समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रदान किया। आईएमए कानपुर के सभी पदाधिकारियों, शहर के डाक्टरों ने डॉ प्रदीप टंडन को मिले अवार्ड को लेकर खुशी जाहिर की है तथा उन्हें बधाई दी है।

फर्जी ग्राम पंचायत अधिकारी बने शिक्षा मित्र चाचा, अधिकारियों की मिलीभगत आरोप

भतीजी की जगह खुद ग्राम विकास अधिकारी का देख रहे काम

अधिकारियों की मिलीभगत और संघ का संरक्षण होने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- विकास विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की नाक के नीचे फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार का एक सनसनी खेज सरकारी धन की लूट की घटना प्रकाश में आई है जिसे सुन और देखकर हर किसीके पैरों के नीचे से जमीन खिसक जायेगी! मामला विकास खंड धौरहरा का है जहां पर 2018 बैच की ग्राम विकास अधिकारी की जगह पर उनके चाचा राकेश त्रिवेदी उर्फ रिंकू त्रिवेदी फर्जी तरीके से ग्राम विकास अधिकारी की नौकरी करते देखे जा रहे हैं !यह कोई महीने चार महीने की बात नहीं है यह फर्जीवाड़ा का खेल अर्से से चल रहा है !ऐसा नहीं कि इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों में खंड शिक्षा अधिकारी धौरहरा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित विकास विभाग के अधिकारी जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित जिला विकास अधिकारी और खंड विकास अधिकारी को नहीं है मामला सभी की जानकारी में होने की बात सामने आई है !सूत्रों की मानें तो जिला पंचायत राज अधिकारी की मीटिंग और बी सी राकेश कुमार त्रिवेदी उर्फ रिंकू त्रिवेदी ही करते हैं !इतना ही नहीं ब्लॉक में तो राकेश त्रिवेदी ही कार्य करते देखे जाते हैं और यही खंड विकास अधिकारी के सामने पेश होते हैं और मीटिंग भी करते हैं !लकिन प्रति माह मिलने वाली सुविधा शुल्क के चलते सहाब को कुछ भी दिखाई सुनाई ही नहीं पडता है !मामले पर गौर करें तो राकेश त्रिवेदी रिंकू प्राथमिक विद्यालय टापर पुरवा में शिक्षा मित्र के पद पर तैनात है ! लकिन यह कभी स्कूल पढ़ाने ही नहीं जाते हैं और बिना ड्यूटी किए ही 18000 का मानदेय उठा कर सरकारी खजाने को चुना लगा रहे हैं सूत्र बताते हैं यह शिक्षामित्र सेटिंग गेटिंग के उस्ताद माने जाते हैं और ऊपर तक माल खिलाकर मामला मैनेज कर लेते हैं! यही हाल ग्राम विकास अधिकारी भतीजी का है वह भी बगैर ड्यूटी किए वेतन उठा रहीं है अपनी ड्यूटी की जगह अपने शिक्षा मित्र चाचा को लगा रखा है भले ही कागजों पर राकेश त्रिवेदी बच्चों का भविष्य सवार रहे हैं पर जमीनी हालात कुछ और ही बयां कर रहे हैं! फ़िलहाल मामला जांच का विषय बना है !इस पूरे प्रकरण की साक्ष्यों सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री से शिकायत की गई है अब देखना यह है कि जीरो टार लेंस वाली सरकार के पास पहुंचने के बाद इस डबल लूट पर शासन, प्रशासन की गाज कब गिरती हैं !सूत्रों के मुताबिक दोनों विभागों के जिम्मेदारों और जालसाज के आरोपों से घिरे चाचा भतीजी के सिंडिकेट में हड़कंप मचा हुआ है!

विद्या निकेतन की छात्रा बनी वैज्ञानिक

गोला गोकर्णनाथ खीरी- स्थानीय विद्यालय वि0कु0स्मा0 सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज, गोला गोकर्णनाथ की पूर्व छात्रा रश्मि त्रिवेदी का चयन Star Hi Herbs Ltd, बैंगलोर में वैज्ञानिक पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। इण्टरमीडिएट की संस्थागत छात्रा रही रश्मि त्रिवेदी ने इण्टरमीडिएट परीक्षा में 79.8% अंक प्राप्त कर इंस्पायर छात्रवृत्ति योजना में चयनित हुई जिससे इनको परास्नातक तक प्रतिवर्ष रु 80000/- का छात्रवृत्ति लाभ प्राप्त हुआ। इन्होने महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखण्ड विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री तथा माइक्रोबायोलॉजी में परास्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

तत्पश्चात इन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित गेट और नेट जे0आर0एफ0 परीक्षा उत्तीर्ण कर पारुल यूनिवर्सिटी, गुजरात से पी0 एच0 डी0 हासिल की तथा कैंसर अनुसंधान में 14 शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किये। डॉ0 रश्मि त्रिवेदी के पिता बाबू कुलभूषण लाल त्रिवेदी उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजगढ़ में प्रधानाचार्य तथा माता सरिता त्रिवेदी गृहिणी हैं।

आर पीएफ ने चार आरोपियों को रेल संपति सहित किया गिरफतार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। रेल सुरक्षा बल मंडल झांसी, पोस्ट भीमसेन पर दिनांक 23/06/2026 को पंजीकृत अपराध क्रमांक 04/2026, यूं एस 3 आरपी/यूपी एक्ट मामले की जांच में मुखबिर की खाश सूचना पर भरू बिजली घर के पास कोयला नगर की ओर जाने वालीं सड़क किनारे चार आरोपियों को मामले में चोरित रेल संपति की खरीद फरोख्त करतें हुए आज रगे हाथों मय रेल संपति सहित गिरफ्तार किया गया है,,,, उक्त चारों के अपराध स्वीकारोक्ति व उनके द्वारा घटनास्थल की सही सही निशानदेही कराए जाने पर 26/6/2026 को पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 04/2026 /यू/ एस 3 आरपी यूपी एक्ट में उक्त चारों को बतौर आरोपी आज शुमार किया गया, मामले में दो अन्य आरोपी प्रभात कश्यप,व सज्जाग खा़न, मुल्ला कबाड़ी,, को बाछित किया गया है आरोपियों के नाम पवन गुप्ता पुत्र जगदीश गुप्ता 28 वर्ष जाति बनिया ,, निवासी केडीए कालौनी अर्रा थाना हनुमंत बिहार कानपुर,, आशीष यादव पुत्र चद्रराम यादव 21 वर्ष निवासी गढेवा बिधनू कानपुर,, शिवम् साहू पुत्र शिव प्रकाश साहू वर्ष 19 निवासी केडीए कालौनी हनुमंत बिहार कानपुर ,, फ़राज़ खान पुत्र विलायत खान निवासी मझावंन बिधनू कानपुर, बरामद रेल संपति 70 बालिस्त लंबी कापर पट्टी तीन टुकड़े कीमत लगभग 7933 रूपए,03 नंग ग्रे कलर की बैटरी कीमत 4027,00 रूपए,, तथा कापर वायर के छिले हुए 20 मीटर 16 एम एम अर्थिंग बायर मय हरे रंग का सुलेचन कीमत 2780,00 रूपए कुल कीमत 14740,00 रूपए, गिरफ्तार करने वाली टीम उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह रावत,एचसी जितेन्द्र कुमार, व कांस्टेबल शंकर मीणा,रेल सुरक्षा बल पोस्ट भीमसेन, सहायक उपनिरीक्षक सूर्य कांत तिवारी, कांस्टेबल रफीक अहमद,रेल सुरक्षा बल आउट पोस्ट बिदकीं,एचसी विनय कुमार,आरपी एफ/डी डब्ल्यू,जी डब्ल्यू डब्ल्यू एल।

समाधान दिवस में एडीएम न सुनीं जनसमस्याएं

कई शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज। तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अपर जिला अधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह ने आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। हल्की बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर तहसील पहुंचे और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। समाधान दिवस में नवागत उपजिलाधिकारी सचिन यादव, खंड विकास अधिकारी महेश चंद्र शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सबसे अधिक शिकायतें आवास योजना और राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त हुईं। इसके अलावा पुलिस, विकास एवं अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें भी दर्ज की गईं। मौके पर कई शिकायतों का तत्काल निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एडीएमई पूर्णिमा सिंह ने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। समाधान दिवस के दौरान एडीएमई पूर्णिमा सिंह, एसडीएम सचिन यादव, नायब तहसीलदार शोभित चौधरी, नायब तहसीलदार शुभम पांडेय, खंड विकास अधिकारी महेश चंद्र शाक्य, खंड विकास अधिकारी भदपुरा ईशा अग्निहोत्री, एसडीओ राजेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे।

आईएमए में आयाम फाइनेंस मीट एवं भजन संध्या का आयोजन

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा द्वारा बेस्टमेट इन्वेस्टमेंट सर्विस के सहयोग से जितेन्द्र कुमार लोहिया ऑडिटोरियम, आईएमए भवन, परेड, कानपुर में 'आयाम फाइनेंस मीट एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमए कानपुर के अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहरोत्रा ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन आईएमए कानपुर की सांस्कृतिक सचिव डॉ. रेणु सिंह गहलौत ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन आईएमए कानपुर की सचिव डॉ. (प्रो.) शालिनी मोहन ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में स्नेहांशु प्रधान एवं अंकित अग्रवाल ने चिकित्सकों को आधुनिक निवेश, ने स्मार्ट फाइनेंशियल प्लानिंग, वेल्थ क्रिएशन तथा एसेट प्रोटेक्शन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की तथा उपस्थित चिकित्सकों के निवेश संबंधी प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

सामुदायिक केंद्र भवन बनने से ग्रामीण जनता को मिल सकेगी सहूलियत- मूलचंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- ग्रामीण इलाकों में सामुदायिक केंद्र भवन का निर्माण कार्य होने से निश्चित रूप से ग्रामीण जनता को सुविधा के साथ सहूलियत प्राप्त हो सकेगी। उप्र की भाजपा सरकार ग्रामीण जनता के हित में लगातार काम कर रही है, यह बात क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने ग्राम बरोदा कलां में सामुदायिक केंद्र भवन के निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन कर कही। कोंच ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम बरोदा कलां में एकीकृत विकास योजना के अंतर्गत 65 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक केंद्र भवन (विवाह घर) का शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने भूमि पूजन किया। विधायक ने उच्चारित मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया और प्रतीक स्वरूप फावड़े चलाया। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों के बीच विधायक ने कहा कि सामुदायिक केंद्र भवन बन जाने के बाद ग्रामीणों को किसी भी प्रकार के आयोजन करने के लिए परेशान होकर इधर उधर नहीं जाना पड़ेगा, साथ ही धन की भी बचत हो सकेगी। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी, सड़क, शौंचालय, आवास जैसी मूलभूत सुविधाये मिलने के बाद सामुदायिक केंद्र भवन बनना निश्चित रूप से गांव के विकास में सहायक सिद्ध होगा। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं शिकायतें भी सुनी और उनसे विकास की धारा में साथ चलकर सहयोग किए जाने का आह्वान किया। इससे पूर्व प्रधान अयोध्या प्रसाद सहित ग्रामीणों ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में विभाग के सहायक अभियंता सौरभ पिपरैया, अवर अभियन्ता नागेंद्र प्रताप सिंह, अवर अभियंता अक्षय राज, ठेकेदार हिमांशु गुप्ता सहित भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सोनू पटेल बोहरा, धर्मेंद्र दुबे, आलोक खरे, विकास पटेल, अबधेश पटेल पचीपुरी, आलोक खरे, रमेशचंद्र वर्मा, डॉ शिवकुमार, अमर सिंह आदि मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त यातायात ने किया ट्रेफिक व्यवस्था का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 18.07.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme ' के अंतर्गत बड़ा चौराहा,परेड चौराहा,ग्रीन पार्क चौराहा,घंटाघर चौराहा एवं नरौना चौराहा का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान द्वारा यातायात व्यवस्था , सड़क पर वाहन दबाव , अवैध पार्किंग , ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन , सड़क किनारे अतिक्रमण तथा प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। प्रमुख चौराहा/ तिराहा से ई-रिक्शा, ई-ऑटो, टेम्पो आदि को कम से कम 100 मीटर की दूरी पर सवारी बैठाने एवं उतारने हेतु निर्देशित किया गया तथा सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए एवं चौराहा/ तिराहा पर चिन्हित चोक पॉइंट्स (Choke Points) की पहचान कर उनके कारकों को दूर किया जाए जिससे यात्रियों के मैक्सिमम ट्रैवल टाइम को घटाया जा सके। पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं यातायात कर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनके द्वारा बताया गया कि ' Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme ' का उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

समाधान दिवस में दर्ज कराई गई 22 शिकायतें

कोंच(जालौन)- शनिवार को तहसील स्तरीय समाधान दिवस का आयोजन तहसील कार्यालय के सभा कक्ष में नवागंतुक एसडीएम अभिनव कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस, राजस्व, नगर पालिका, ब्लॉक कार्यालय, जल संस्थान, विद्युत जैसे प्रमुख विभागों से जुड़ी 22 शिकायतें फरियादियों ने दर्ज कराई। मौके पर सिर्फ दो शिकायतें ही निस्तारित की जा सकी। एसडीएम अभिनव कुमार ने दर्ज कराई गई शिकायतों का अवलोकन कर संबंधित विभागों के स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण कार्य में जरा सी भी लापरवाही न बरतें, मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें और समय सीमा का भी ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि एक ही शिकायत बार बार नहीं आनी चाहिए वरना कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इस दौरान तहसीलदार मनोज कुमार, नायब तहसीलदार वैभव गुप्ता, ईओ नगर पालिका मोनिका उमराव, जेई विद्युत अमन खान सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायक की पहल लाई रंग, ईओ के खिलाफ सभासदों का अनशन कराया समाप्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर पालिका परिषद कोंच की अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव पर शिकायत किए जाने के बाद भी विकास कार्यों में रुचि न दिखाने, व्यवहार और आचरण ठीक न रखने जैसे आरोप लगाते हुए पालिका कार्यालय के अंदर पोर्च में गुरुवार की सुबह 11 बजे से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे संबंधित सभासदों का अनशन बातचीत कर क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने जूस पिलाकर समाप्त करा दिया। शनिवार को पालिका कार्यालय में सभासदों के अनशन स्थल पर पहुंचे विधायक ने सभासदों के साथ फर्श पर बैठकर सबसे पहले संबंधित सभासदों से गंभीरतापूर्वक उनकी समस्या शिकायत जानी, तदोपरांत विधायक ने अधिशासी अधिकारी को मौके पर बुला लिया। विधायक ने सभासदों को आश्वस्त किया कि सुंदर नगर की परिकल्पना हेतु विकास कार्यों के प्रति उनकी सकारात्मक सोच के साथ हम सभी लोगों की सोच भी समान है इसलिए मिल बैठकर विकास कार्य कराए जाएंगे, रही बात अधिशासी अधिकारी के आचरण और व्यवहार की तो निश्चित रूप से अधिशाषी अधिकारी सभासदों का सम्मान और उनकी गरिमा रखेंगी, ऐसी अपेक्षा है। इस दौरान अधिशाषी अधिकारी ने भी सामंजस बनाकर कार्य करने की बात कहते हुए कहा कि उनकी मंशा कभी भी किसी सभासद के प्रति गलत नहीं रही और भविष्य में भी गलत नहीं रहेगी। विधायक ने अधिशासी अधिकारी को स्पष्ट रूप से कहा कि सभासदों की बात को आगे से गंभीरता से लिया जाए। वहीं विधायक की सार्थक पहल के बाद अनशन पर बैठे सभासद महेंद्र कुशवाहा, रघुवीर कुशवाहा, मनोज मोर सहित सभासद प्रतिनिधि लकी दुबे, गौरव तिवारी, सरताजुद्दीन, शकील, रिजवान, अशोक गुर्जर ने विधायक के हाथों जूस पीकर अपना अनशन समाप्त कर दिया। गौरतलब हो कि, सड़क निर्माण कार्यों में कथित धांधली, लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें और नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न कराए जाने जैसी समस्याओं का कई बार शिकायत के बावजूद समाधान न किए जाने का आरोप लगाते हुए सभासद महेंद्र कुशवाहा, रघुवीर कुशवाहा, मनोज मोर, अमित यादव, विनोद सोनी, मनोज इकड़या सहित सभासद प्रतिनिधि गौरव तिवारी, लकी दुबे, सरताजुद्दीन, शकील, रिजवान, अशोक गुर्जर आदि अनशन पर बैठ गए थे। अनशन के दौरान ही गुरुवार की रात स्थिति उस समय टकराव की बन गई थी जब तमाम सफाई कर्मी महिला पुरुष हाथों में झाडू थामकर मौके पर पहुंच गए थे जिसको लेकर सभासदों ने अधिशासी अधिकारी पर सफाई कर्मियों को बुलाकर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया था जबकि अधिशासी अधिकारी ने साफ सफाई को लेकर निर्देशित करने के लिए सफाई कर्मियों को मौके पर बुलाने की बात कही गई थी, हालांकि कोतवाल की अगुवाई में पुलिस बल और मीडिया कर्मियों को देख कुछ ही देर बाद सफाई कर्मी मौके से चले भी गए थे। वहीं अधिशासी अधिकारी द्वारा अनशन पर बैठे एक सभासद महेंद्र कुशवाहा को नोटिस जारी कर आगे की कार्यवाही किए जाने की चेतावनी भी दी गई थी जिससे अनशन पर बैठे साथी सभासद भड़क गए थे।

नीट यूजी परीक्षा पास करने वाले कर्तव्य एवं अंदेश का डॉक्टर कौशल वर्मा ने किया सम्मान

गोला गोकर्णनाथ खीरी- नीट यूजी परीक्षा पास कर डॉक्टर बनने का सपना पूरा करने वाले दो मेडिकल छात्रों का नगर के सनशाइन हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर ग्रुप के संचालक एवं भाजपा नेता डॉ कौशल वर्मा ने फूल मालाओं से लादकर मिठाई खिलाई कर भव्य स्वागत और सम्मान करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की है। मूल रूप से ग्राम बैदा खेड़ा निवासी व गोला के मोहल्ला पटेल चौराहा स्थित हॉस्पिटल संचालक डॉक्टर एसपी वर्मा के पुत्र कर्तव्य मोहन पटेल ने एवं ग्राम घरथनिया निवासी ललित मोहन मिश्रा के पुत्र अंदेश मोहन मिश्रा ने नीट यूजी परीक्षा पासकर डॉक्टर बनने का मार्ग प्रशस्त्र किया है।दोनों मेडिकल छात्रों नें इस परीक्षा पास करने का श्रेय अपने माता-पिता परिवार जनों एवं स्कूल के गुरुजनों को दिया है। डॉ कौशल वर्मा ने बताया कि शिक्षा में आगे बढ़ाने के लिए वह प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को समय-समय पर सम्मानित कर उनका मार्गदर्शन करते हैं। सम्मान समारोह बच्चों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं जिससे साहस मिलता है। जिसे देखकरअन्य बच्चे भी प्रतिस्पर्धी बनते हैं। डॉक्टर ने बच्चों को भविष्य में भी सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है। नीट यूजी परीक्षा पास करने बाले नगर के अन्य छात्रों का भी सम्मान शीघ्र किया जाएगा।

डंपर से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर में शनिवार दोपहर करीब 12 ,30 बजे घाटमपुर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, हादसे में बाइक चला रहें युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे अधेड़ उछल कर दूसरी ओर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया,, जनपद फतेहपुर के चतनपुर अमौली थाना चांदपुर निवासी विवेक कुमार सचान 45 वर्ष पुत्र रामपाल अपनी बहन रूपम सचान के घर थाना सजेती के गांव निमधा में रह कर खेती किसानी करतें थे,, शनिवार को वह गांव के ही सुरजन सिंह 50 वर्ष के साथ बाइक से नलकूप का सामान लेने घाटमपुर आए थे, सामान खरीदने के बाद दोनों वापस लौट रहे थे, घाटमपुर चौराहे के पास कानपुर सागर हाइवे पर पीछे से आए डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही विवेक डंपर के पहियों के नीचे आ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई, वहीं सुरजन दूसरी ओर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए, घटना के बाद चालक डंपर छोड़ कर मौके से फरार हो गया, राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर भर्ती कराया, पुलिस ने म्रतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, घाटमपुर थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएंगी।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य की अध्यक्षता में आज कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में पूर्व की बैठकों में अधिकारियों को जो निर्देश दिए गए थे उसमें क्या-क्या कार्यवाही हुई है, उसकी विस्तार से जानकारी ली गयी। थानावार कांवर की व्यवस्थाओ को लेकर क्या समस्याएं है उनकी भी जानकारी ली गयी और थानाध्यक्षों से जो कमियां हैं उन्हें लिखित में देने को कहा गया, जिस पर विद्युत पोलों पर पन्नी लपेटवाना, ट्रांसफार्मर जो रोड के निकटतम हो उनकी बेरीक़ेटिंग खराब रोडो को सही कराना । आदि के बारे मे थानाध्यक्षगण द्वारा बताया गया। लाल फाटक पुल के दोनों ओर गड्ढे और जलभराव की समस्या के बारे भी बताया गया, जिस पर लोक निर्माण विभाग को गड्ढों को भरवाने और पानी निकासी हेतु नालों पर से अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बभिया रोड पर बिचैलिया ग्राम के पास रोड लाइट की भी आवश्यकता बतायी गयी, किला पुल के नीचे लाइटिंग करने तथा अलखनाथ मंदिर के पास ट्रांसफार्मर की बैरिकेडिंग करने का कहा गया। गोताखोरों को छोटी बोट व लाइफ जैकेट की उपलब्धता कराने को भी कहा गया। विकासखंड बिथरी चैनपुर के नवदिया झादा पर जो पुल बन रहा है उसके दोनों ओर ब्रेकर बनवाने के लिए कहा गया।

बैठक में नगर पालिका/ पंचायतों को निर्देश दिए गए कि उनके क्षेत्र में जिन रास्तों में दिक्कत हैं उन्हें कांवड़ यात्रा से पूर्व ठीक करा दिया जाए तथा जहां आवश्यकता हो खुले नालों पर स्लैब भी डलवायी जाए। मार्गो से गोवंशीय पशुओं को हटाकर संरक्षित करने के भी निर्देश दिए गए, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न ना हो। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि विगत वर्ष की भांति शांतिपूर्ण तरीके और सकुशल श्रावण मास सम्पन्न हो इसके लिए समय से तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वागत द्वारों का निर्माण, वॉटर प्रुफ टेंट कांवड़ियों के लिए भंडारे, पानी, भोजन, स्वास्थ्य, सुरक्षा का ध्यान रखा जाये। सीसीटीवी कैमरे/ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कंट्रोल रुप स्थापित किया जाए तथा स्टेटिक/ सेक्टर/ जोनल/ सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला कांवड़ियों के लिए शौचालय की भी व्यवस्था विश्राम गृह पर की जाए तथा समाज सेवी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने समस्त व्यवस्थाएं ससमय सुनिश्चित करने तथा गम्भीरता को समझते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। कांवड़ रुट और शिव मंदिरों पर विशेष फोकस रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई, जलभराव, विद्युत तार, गढ्ढों आदि को भरवाने, निराश्रित पशुओं का संरक्षण, आंधी आदि के कारण टूटे हुए पेड़ या डाल आदि को हटवाने, गूलर आदि के पेड़ो की छटाई आदि की आवश्यकता हो तो वह भी करवा लिया जाए। उन्होंने भंडारों में बटने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जांच समय-समय कराए जाने तथा जिन स्थानों पर रात के समय अंधेरा रहता है वहां लाइट की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डीजे की लम्बाई-चौड़ाई निर्धारित मानकों के अनुरूप हो इसकी जानकारी जत्थेदारों तक अवश्य पहुंचाएं तथा सिविल डिफेंस का पूरा सहयोग लिया जाए।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि 30 स्वास्थ्य शिविर बनाए जाएंगे, जिसमें 23 ग्रामीण क्षेत्र तथा 07 नगरीय क्षेत्र में बनेंगे वहां आवश्यक दवाईयां उपलब्ध रहेगी साथ ही कांवड़ियों को मेडिकल किट भी उपलब्ध करायी जाएगी। बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) संतोष कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर अविनाश त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अंशिका वर्मा, पुलिस अधीक्षक यातायात मो0 अकमल खान, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 विश्राम सिंह, सचिव बरेली विकास प्राधिकरण सहित समस्त सम्बंधित पुलिस/प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

भवन निर्माण में मुंशी पर 6.51 लाख की हेराफेरी का आरोप, केस दर्ज

मजदूरी और निर्माण सामग्री के लिए दी गई थी रकम।

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र में मकान निर्माण के दौरान मुंशी पर 6.51 लाख रुपये के गबन और धोखाधड़ी का आरोप लगा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऐहार गांव निवासी विनय बाजपेई पुत्र प्रभात कुमार बाजपेई ने पुलिस को बताया कि वह अपना मकान बनवा रहे थे। निर्माण कार्य की देखरेख, श्रमिकों को मजदूरी देने और निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कोरिहर गांव निवासी राकेश कुमार तिवारी को मुंशी के रूप में सौंपी गई थी। निर्माण कार्य का कोई ठेका नहीं दिया गया था। पीड़ित के मुताबिक उन्होंने आरोपी को बैंक के माध्यम से 5.51 लाख रुपये और दो बार में 50-50 हजार रुपये नकद दिए। कुल 6.51 लाख रुपये निर्माण कार्य के लिए दिए गए थे। आरोप है कि आरोपी ने न तो मजदूरों को मजदूरी दी और न ही निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई। जांच करने पर पता चला कि रकम का गबन कर लिया गया। रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने गाली गलौज की और धमकी दी। पीड़ित का यह भी आरोप है कि दबाव बनाने के लिए आरोपी ने अधिकारियों के समक्ष झूठी शिकायतें भी कीं। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

महराजगंज/रायबरेली तहसील सभागार में शनिवार को उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 32 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से पांच मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। समाधान दिवस में राजस्व विभाग की सर्वाधिक 15 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके अलावा पुलिस विभाग से संबंधित चार, विकास विभाग की दो तथा अन्य विभागों की 11 शिकायतें दर्ज की गईं। अध्यक्षता कर रहे उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में खंड विकास अधिकारी श्रद्धा सोनकर, खंड विकास अधिकारी शिवगढ़ शिवाकांत बाजपेई, नायब तहसीलदार सत्याराज, क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार, कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डिजिटल सेवा केंद्र का ताला तोड़कर 40 हजार नकद, डीवीआर चोरी

गोपीगंज। थाना के झिलियापुल आजाद नगर स्थित डिजिटल सेवा केंद्र में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर नकदी और सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना 17 जुलाई की रात की है। मो. आदिल पुत्र गुलाम पीर मोहम्मद निवासी चुड़िहारी मोहाल ने बताया कि रोज की तरह दुकान बंद कर वह घर चले गए थे। सुबह दुकान खोलने के लिए पहुंचा तो देखा कि मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोर मेज की दराज से लगभग 40,000 रुपये नकद और पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरे का हार्ड डिस्क भी उठा ले गए। इतना ही नहीं चोरों ने आसपास के पड़ोसियों के घरों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए और बगल के एक मकान का ताला भी तोड़ दिया। घटना की सूचना पीआरबी पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई के लिए थाने बुलाया। पीड़ित ने थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

घटतौली साबित, कोटेदार पर कार्रवाई की तैयारी

प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों की शिकायत पर जांच टीम ने 12 जुलाई को की थी जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले कप्तानगंज ग्राम पंचायत नरहरपुर के कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ राशन वितरण में गड़बड़ी/अनिमियतता की पुष्टि होने पर जांच टीम ने खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह को रिपोर्ट प्रेषित की थी। जांच अधिकारी के द्वारा प्रेषित की गई रिपोर्ट के आधार पर खण्ड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेज दिया है। सूत्रों की माने तो जांच टीम ने कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ साक्ष्य के साथ रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह को प्रेषित किया था जिसको लेकर माना जा रहा है कि अब कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ (उचित दर विक्रेता) कोटेदार की दुकान कन निलंबित होने की कार्यवाही निश्चित हो गई है। कभी भी किसी भी समय उच्चाधिकारियों द्वारा (उचित दर विक्रेता) कोटेदार संजय कुमार की दुकान के निलंबन की कार्यवाही हो सकती है।

आप को बता दे कि विकासखण्ड कप्तानगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नरहरपुर में (उचित दर विक्रेता) कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों ने लामबंद हो घटतौली का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल समेत अन्य उच्चाधिकारियों से शिकायत किया था जिस पर एडीओ पंचायत कप्तानगंज सुशील कुमार श्रीवास्तव ने जांच टीम गठित किया था। जांच टीम ने जांच करके जांच रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज को प्रेषित किया था। जांच अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये जांच रिपोर्ट के आधार पर कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। उक्त प्रकरण में खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि जांच अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये रिपोर्ट के आधार पर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजा गया है।

पात्र दिव्यांग छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल, जानें कैसे करें आवेदन

अम्बेडकरनगर। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने जनपद की समस्त 'स्कूल जानें वाली/ शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ई-ट्राईसाइकिल प्रदान करनें हेतु योजना संचालित की गयी है। ऐसी छात्राएं जो किसी स्कूल/ कालेजों में अध्ययन कर रहीं और जो निम्नवत पात्रता की शर्तें जैसे (1) उम्र 16 या वर्ष उससे अधिक है। (2) दिव्यांगता का प्रमाण पत्र निर्गत है। (3) दिव्यांगजन या उसका परिवार आयकर दाता न हो (4) उत्तर प्रदेश की निवासी हों। (5) कमर के ऊपर का हिस्सा (भाग) स्वस्थ हो, उसकी दृष्टि अच्छी हो, मानसिक स्थिति अच्छी हो, और वह ई-ट्राईसाइकिल पर बैठकर अपने हाथों से उपकरण का संचालन करनें में सक्षम हो, इस योजना की पात्र मानी जाएगी। वे अपना आवेदन पत्र आवश्यक अभिलेखों के साथ कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विकास भवन कक्ष संख्या-56 में किसी भी कार्य दिवस जमा करा सकती हैं। तत्पश्चात उनका आवेदन विभाग द्वारा आनलाइन करके नियमानुसार ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध करानें की कार्यवाही की जाएगी।

रोस्टर के बावजूद पंचायत भवन नहीं पहुंचे सचिव

प्रदेश सरकार के रोस्टर प्रणाली को ठेंगा दिखा रहा सचिव विवेक कुमार नही रहा पंचायत भवन अगौना पर लटक रहा ताला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। प्रदेश की योगी सरकार ने गांव की समस्याओं को निस्तारण के लिए ग्राम पंचायत रोस्टर प्रणाली की व्यवस्था लागू की है जिससे गांव में सप्ताह के एक दिन सचिव को पंचायत भवन पर बैठकर चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्या सुन उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना है जैसे लोगों को प्रमाण पत्र, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, हैंडपंप खराब रीबोर समेत तमाम सारे समस्याओं को गांव में ही लोगों की बातें सुनकर निस्तारण कर देना है लेकिन विकासखंड बहादुरपुर में तैनात सचिव विवेक कुमार अपने तैनात ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत में ना जाकर ब्लॉक मुख्यालय/घर पर बैठकर आराम फरमाते हैं।

मीडिया टीम के पड़ताल में ग्राम पंचायत अगौना में सचिव पंचायत भवन से गायब मिले। पंचायत भवन के आसपास घूम रहे ग्रामीण से बात हुई तो ग्रामीणों ने बताया की सचिव पंचायत भवन पर आते ही नहीं हम लोगों को ब्लॉक मुख्यालय का आए दिन चक्कर लगाना पड़ता है जिससे काफी धन व्यय होता है और समय का भी नुकसान होता है। सचिव विवेक कुमार के मनमानी रवैए से प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं का ग्रामीणों को समुचित लाभ नहीं मिल रहा है जिससे प्रदेश सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है रोस्टर प्रणाली को लेकर सहायक विकास अधिकारी अवधेश कुमार से बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि मामले की जांच की जाएगी और सचिव को स्पष्टीकरण की नोटिस देकर कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह है कि डियूटी से गायब सचिव विवेक कुमार के खिलाफ विभागीय कार्यवाही हो पाती है या नही? जो जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों की सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में तहसील मुसाफिरखाना में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लेकर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना हमारी प्राथमिकता है, मुख्यमंत्री द्वारा भी जन सामान्य की शिकायतों के निस्तारण को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली करने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील मुसाफिरखाना में कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 03 का मौके पर निस्तारण कराया गया, तहसील गौरीगंज में 22 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 03 का निस्तारण किया गया, तहसील अमेठी में 28 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 01 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा तहसील तिलोई में 35 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। संपूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों/ कर्मचारियों को जल संचयन एवं संरक्षण हेतु शपथ दिलाई। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना नितेश राज, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, तहसीलदार मुसाफिरखाना सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

किसान की बेटी प्रीति यादव उपनिरीक्षक बन क्षेत्र का बढ़ाया मान

लालगंज (रायबरेली)। विकासखंड क्षेत्र के पूरे अजमेर मजरे शोभवापुर गांव की रहने वाली किसान की बेटी प्रीति यादव का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक पद पर हुआ है। उनकी सफलता से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। प्रीति यादव साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बीच लगातार मेहनत की। इसी का परिणाम है कि उनका चयन उपनिरीक्षक पद पर हुआ। प्रीति ने बताया कि इस सफलता में परिवार का पूरा सहयोग मिला। घर के सभी सदस्यों ने हर कदम पर उनका उत्साह बढ़ाया। इसी सहयोग से वह अपने लक्ष्य तक पहुंच सकीं। प्रीति के पिता राधेश्याम यादव ने बताया कि उनकी बेटी शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी थी। उसने अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। चयन की खबर मिलते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीण, रिश्तेदार और शुभचिंतक लगातार परिवार को बधाई दे रहे हैं। लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया। प्रीति यादव की सफलता सीमित संसाधनों में पढ़ाई करने वाली बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई है। उन्होंने साबित किया कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

उच्च कोटी की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाले आदर्श इंटर कॉलेज में हुआ वृक्षारोपण

समाज सेवी पीके तिवारी का जुलाई-अगस्त में एक हजार पौधे लगाने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने के उद्देश्य से कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान के प्रबंधक एवं समाजसेवी पी.के. तिवारी ने जुलाई एवं अगस्त माह के दौरान एक हजार पौधों के वृक्षारोपण का संकल्प लिया है। इसी अभियान के तहत उन्होंने क्षेत्र के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थान आदर्श इंटर कॉलेज पहुंचकर विद्यालय परिवार के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।वृक्षारोपण कार्यक्रम में पी.के. तिवारी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान सामाजिक सेवा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है और जुलाई-अगस्त के दौरान एक हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।विद्यालय के प्रबंधक जयसिंह चंदेल ने पी.के. तिवारी के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से इस अभियान में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने भी पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया और विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अविनाश सिंह, शिक्षक के.एन. पाण्डेय, सुमन सिंह, अंशिका गुप्ता सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक सहभागिता पर बल दिया। समाजसेवी पी.के. तिवारी के इस संकल्प को क्षेत्र में सराहना मिल रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि समाज के प्रत्येक नागरिक और संस्थान इसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं, तो हरित वातावरण के साथ आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

ग्राम प्रधान ने बीएसए के द्वारा दिये गये जनसूचना में लीपापोती का लगाया आरोप

पहले तो 13 बिन्दुओं की जनसूचना देने में बीएसए ने की थी आना-कानी बाद में थी लीपापोती रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकासखण्ड बहादुरपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत डारीडीहा में स्थित प्राथमिक विद्यालय के संबंध में विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं विभागीय मदों के अंतर्गत वर्ष 2022- 23 से 2025 - 26 की समस्त प्राप्त धनराशि उसके व्यय का विवरण तथा विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था से संबंधित अभिलेखों की प्रमाणित जन सूचना , जनसूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत दिनांक 18- 05 - 2026 को ग्राम प्रधान सुनील चौधरी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती अनूप कुमार तिवारी से मांगी थी। बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा दिये गये जनसूचना पत्र में लिखा गया है कि 13 बिन्दुओं की जनसूचना का खर्चा लगभग 4000 रुपये होगा जिसका भुगतान ग्राम प्रधान सुनील चौधरी को करना होगा अर्थात् जन सूचना मांगने वाले को देना होगा। बीएसए द्वारा दिये गये पत्र में एक भी बिन्दु की जनसूचना नही दी गई है मात्र जनसूचना के नाम पर लीपापोती की गई है । ग्राम प्रधान ने पुनः दिनांक- 08-07-2026 को एडी बेसिक से अपील किया है कि जनसूचना के लिए बीएसए द्वारा मांगी गई जनसूचना की खर्चा की धनराशि किस खाते में जमा होगी? ताकि समय से जनसूचना उपलब्ध हो सके। ग्राम प्रधान सुनील चौधरी ने शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर गंभीर आरोप हुए कहा कि जब हम ग्राम प्रधान है तो हमें जनसूचना के लिए इतना भाग दौड़ करना

पड़ रहा है तब आम आदमी को जन सूचना के लिए कितना भाग दौड़ करना पड़ता होगा। मीडिया से बातचीत में ग्राम प्रधान ने कहा कि समय चाहे जितना भी समय लगे लेकिन जन सूचना लेकर ही रहेंगे और प्राप्त जन सूचना के आधार पर प्रधानाध्यापक मंजू देवी के खिलाफ उच्च अधिकारियों से शिकायत होगी और प्रधानाध्यापक मंजू देवी के भ्रष्टाचार की जांच कराकर विभागीय कार्यवाही करायेंगे।

तुर्कीपुर पंचायत में भ्रष्टाचार की जांच कब?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केदुबौलिया विकास खंड ग्राम पंचायत तुर्की पुर की महिला ग्राम प्रधान मंजू देवी सीधे विकसित भारत जी राम जी के मजदूरों के हकों पर डाका डाल रही है और जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी कुंभकर्णी नींद में मस्त हैं जब ऐसे ही जिम्मेदारों का रवैया रहा तो ग्राम पंचायत तुर्की पुर का समुचित विकास कभी नहीं होगा। आपको बता दें कि विकासखण्ड दुबौलिया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत तुर्की पुर में तालाब खुदाई व सफाई के नाम पर आनलाइन मस्टर रोल जारी है और आनलाइन मस्टर रोल पर 133 मजदूरों की फर्जी हाज़िरी लग रही है अर्थात् प्रतिदिन लगभग 40 हजार रुपए की फर्जी हाज़िरी लग रही है जिसमें सचिव व TA अपना मनचाहा कमीशन तय कराकर फर्जी हाज़िरी लगवाने में जुटे हैं।

प्रभारी BDO दुबौलिया विनय कुमार द्विवेदी व मनरेगा APO भी ग्राम पंचायत तुर्की पुर के भ्रष्टाचार की नैया पार कराने में लगे हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं ग्राम पंचायत तुर्की पुर में मात्र विकास कार्य कागज में चल रहा है धरातल पर शून्य है। ग्राम प्रधान मंजू देवी पंचायत चुनाव देखते हुए सरकारी खजाने को खाली करने में सफल दिखाई दे रही है। मीडिया के धरातलीय पड़ताल में पता चला कि जिस तालाब पर आनलाइन मस्टर रोल जारी है उस तालाब में घास- पूस जमा हुआ है और कुछ हिस्से पर पानी भरा हुआ है। घास- पूस व पानी के बीच विकसित भारत जी राम जी मजदूरों का फर्जी हाज़िरी जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। उक्त प्रकरण में सीडीओ ने जांच कराकर फर्जी आनलाइन मस्टर रोल को जीरो करने का निर्देश दिया है।

26 जुलाई को होगा सैनिक बन्धु बैठक का आयोजन

अम्बेडकर नगर। आने वाले रविवार को दिनांक 26 जुलाई 2026 को समय 12.00 बजे जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, कार्यालय सभागार में जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में कारगिल विजय दिवस एवं सैनिक बन्धु बैठक का आयोजन किया जायेगा। जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिक/वीर नारियों एवं उनके सैनिक आश्रितों से अनुरोध है कि सैनिक बन्धु बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनायें। साथ ही जनपद के भूतपूर्व सैनिकों से अपील है कि जिनका कोई व्यक्तिगत समस्या एवं अन्य कार्यवाही लंबित है तो वह अपना आवेदन पत्र एवं जरूरी दस्तावेज कार्यालय जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अम्बेडकर नगर में दिनांक 24 जुलाई 2026 को समय 12.00 बजे तक दे सकते है।

आयुष्मान कार्य में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई

सीएमओ ने रोका सीएचसी गौर अधीक्षक का वेतन, अधीक्षक ने कर्मचारियों पर निकाली भड़ास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौर (सीएचसी) में आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने कड़ा रुख अपनाया है। सीएमओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएचसी अधीक्षक डॉ. पुनीत पांडे के वेतन आहरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस प्रशासनिक कार्रवाई के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया है। हैरानी की बात यह है कि अपना वेतन रुकने से नाराज अधीक्षक डॉ. पुनीत पांडे ने कथित तौर पर केंद्र के पैरामेडिकल और अन्य अधीनस्थ कर्मचारियों का वेतन भी रोक दिया है। अधीक्षक के इस तानाशाही रवैये के कारण नियमित स्वास्थ्य कर्मियों में भारी आक्रोश और अफरा-तफरी का माहौल है। कर्मचारियों का कहना है कि उच्च अधिकारियों की कार्रवाई की गाज उन पर गिराई जा रही है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। वेतन न मिलने से कर्मचारियों के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परेशान कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें मकान का किराया देने, बच्चों की स्कूल फीस जमा करने और रोजमर्रा के घरेलू खर्च चलाने में बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित कर्मचारियों ने सीएमओ से न्याय की गुहार लगाते हुए जल्द से जल्द वेतन बहाल कराने की मांग की है।

जल भराव पर डीएम सख्त, नालों की सफाई और जल निकासी के दिए निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा भारी बारिश से नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर क्षेत्र में जलजमाव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने वी-मार्ट के सामने, हाइडिल तिराहा का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को नालों की सफाई कराकर जल निकासी की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में जल जमाव है जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराये। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर अजय कुमार सिंह उपस्थित रहें।

एसडीएम उमाकांत तिवारी ने कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई करने का दिया निर्देश

ग्रामीणों की शिकायत पर जांच टीम ने 12 जुलाई को की थी कोटेदार संजय कुमार के (उचित दर विक्रेता) दुकान की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कप्तानगंज बस्ती- उप जिलाधिकारी हरैया उमाकांत तिवारी ने कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ पूर्ति निरीक्षक कप्तानगंज को कार्यवाही करने का निर्देश दिया है और 07 कार्य दिवस के अन्दर कोटेदार (उचित दर विक्रेता) संजय कुमार के खिलाफ की गई कार्यवाही की अवगत कराने का निर्देश दिया है। ग्राम पंचायत नरहरपुर के कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ राशन वितरण में गड़बड़ी/अनिमियतता की पुष्टि होने पर जांच टीम ने खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह को रिपोर्ट प्रेषित की थी। जांच अधिकारी के द्वारा प्रेषित की गई रिपोर्ट के आधार पर खण्ड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने रिपोर्ट को अग्रिम कार्यवाही हेतु उप जिलाधिकारी हरैया को भेज दिया था।

आप को बता दे कि विकासखण्ड कप्तानगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नरहरपुर में (उचित दर विक्रेता) कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ राशन कार्ड धारको ने लामबंद होकर घटतौली का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल समेत अन्य उच्चाधिकारियों से शिकायत किया था जिस पर एडीओ पंचायत कप्तानगंज सुशील कुमार श्रीवास्तव ने जांच टीम गठित किया था। जांच टीम ने जांच करके जांच रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज को प्रेषित

किया था। जांच अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये जांच रिपोर्ट के आधार पर कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। उक्त प्रकरण में एसडीएम उमाकांत तिवारी ने बताया कि कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई हेतु पूर्ति निरीक्षक कप्तानगंज को निर्देशित किया गया है और 07 कार्य दिवस के अन्दर की गई कार्यवाही अवगत कराने का निर्देश दिया गया है।

महराजगंज इन्हौना मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले हजारों लोगों के लिए नया पुल बनने से मिली बड़ी राहत

महराजगंज इन्हौना मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले हजारों लोगों के लिए नया पुल
महराजगंज इन्हौना मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले हजारों लोगों के लिए नया पुल बनने से मिली बड़ी राहत

महराजगंज/रायबरेली। महराजगंज इन्हौना मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले हजारों लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। कैर नइया नाले पर वर्षों से निर्माणाधीन नया पुल बनकर तैयार हो गया है। पुल के तैयार होने के साथ ही लंबे समय से बनी आवागमन की समस्या समाप्त हो गई है। जिससे क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है। पुल निर्माण के दौरान इस मार्ग से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं था। संकरे वैकल्पिक रास्ते से लोग जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर थे। बरसात के दिनों में हालात और भी गंभीर हो जाते थे। वाहन चालकों को घंटों जाम का सामना करना पड़ता था, जबकि स्कूली बच्चों, किसानों, व्यापारियों, मरीजों और आम यात्रियों को रोजाना भारी परेशानियों से गुजरना पड़ता था।

अब नए पुल के तैयार होने से महराजगंज और इन्हौना के बीच यातायात पूरी तरह सुगम होगा। इससे न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी काफी हद तक घटेगी। यह पुल क्षेत्र की ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों और स्थानीय विकास को भी नई गति देगा। स्थानीय लोगों ने पुल निर्माण पूरा होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से जिस

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी ने तहसील में सुनीं

भीटी, अम्बेडकरनगर। शासन के निर्देशानुसार माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को जनपद के समस्त तहसीलों में जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस के क्रम में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शनिवार को तहसील भीटी में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनसामान्य की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं भूमि संबंधी प्रकरणों की मौके पर जांच कर पारदर्शी ढंग से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक ढंग से किया जाए। समाधान दिवस में प्राप्त कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील भीटी में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस कुल 107 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 06 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारित किए गए, शेष शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य

विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रमोद

संक्षिप्त खबरें

प्रयास में शुभम यादव ने फहराया सफलता का परचम, नीट परीक्षा में हासिल की शानदार रैंक

भदैया/सुल्तानपुर। भदैया विकासखंड के वजूपुर गांव के निवासी सुरेंद्र यादव के पुत्र शुभम यादव ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शुभम ने अखिल भारतीय स्तर पर लगभग 19 हजारवीं रैंक प्राप्त कर मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश का सपना साकार किया है। शुभम की इस उपलब्धि से उनके परिवार, रिश्तेदारों और पूरे गांव में खुशी का माहौल है। बधाई देने वालों का उनके घर पर तांता लगा हुआ है। शुभम की प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली में हुई, जिसके बाद उन्होंने मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी जारी रखी। लगातार मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने चौथे प्रयास में यह सफलता हासिल की। शुभम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और परिवार के निरंतर सहयोग तथा मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ते रहने से सफलता अवश्य मिलती है। शुभम की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के सम्मानित ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली है कि निरंतर प्रयास और लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में चंद्र प्रताप अध्यक्ष व योगेश सिंह महामंत्री चुने गए

प्रतापगढ़। जिला बार एसोसिएशन प्रतापगढ़ (उ0प्र0) 2026-27 के चुनाव में सम्पन्न मतगणना में अध्यक्ष-चंद्र प्रताप सिंह,महामंत्री -योगेश सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष-अशोक सिंह,उपाध्यक्ष (दो)- अजय कुमार सिंह व विकास सिंह,कोषाध्यक्ष- उमेश प्रताप सिंह,संयुक्त मंत्री(दो)-अरुण सिंह'राजू'व सचिन्द्र सिंह चुने गए हैं।

पूर्व प्रधानाचार्य की पत्नी का निधन, मोना समेत लोगों ने जताया दुःख

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के एसबीएम रोड निवासी पूर्व प्रधानाचार्य एवं संस्कृत विद्वान डॉ0 शक्तिधरनाथ पाण्डेय की धर्मपत्नी उषा 65 का शुक्रवार की देर रात हृदयगति रूकने से निधन हो गया। निधन की जानकारी पर क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने गहरा दुख जताया है। वहीं चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल, विशालमूर्ति मिश्र, डॉ0 राजकुमार पाण्डेय, अधिवक्ता कमलेश तिवारी, विनोद मिश्र, डॉ0 शिवमूर्ति शास्त्री, आचार्य राजेश मिश्र, पूर्व प्राचार्य दयाशंकर पाण्डेय, केशवराम ओझा, डॉ0 डीपी ओझा, डॉ0 ज्ञानेन्द्रनाथ त्रिपाठी ने भी उषा के निधन पर दुख जताया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो घायल

सिद्धार्थनगर में शोहरतगढ़-ढेबरुआ मार्ग पर हुई दुर्घटना

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के शोहरतगढ़- ढेबरुआ मार्ग पर स्थित मड़वा चौराहा के पास शनिवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि इस हादसे में बाइक पर सवार दो अन्य लोग घायल हो गए।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की।मृतक की पहचान थाना कठेला समय माता क्षेत्र के दुबिहारे गांव निवासी पंचराम निषाद (70)पुत्र झिनकू निषाद के रूप में हुई है। पंचराम निषाद अपने बेटों के साथ किसी काम से शोहरतगढ़ की ओर जा रहे थे। मड़वा चौराहा के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रही एक पिकअप वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इस दुर्घटना में पंचराम निषाद को गंभीर चोटें आई, जिससे उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

उनके बेटों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि फरार पिकअप वाहन का पता लगाया जा रहा है।

सोहना- कोहरोडा मार्ग से खखराव जाने वाला मार्ग पर पुलिया क्षतिग्रस्त, आवागमन में दिक्कत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील क्षेत्र के सोहना- कौहरोडा मार्ग से खखराव जाने वाले मुख्य मार्ग के बीच सड़क पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त होने से राहगीरों को दिक्कत हो रही है।

कोहरोडा- सोहना मार्ग से खखराव जाने जाने वाले मार्ग मुख्य मार्ग के बीच पुलिया कई महिनों से क्षतिग्रस्त हो जाने से राहगीरों एवं स्कूली बच्चों को जोखिम भरी यात्रा करने पर विवश हैं, समय रहते मरम्मत कार्य नहीं हुआ तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्रीय नागरिकों में प्रभात कुमार, जगतराम,मो सलीम , संतोष कुमार, अभय कुमार, प्रमोद कुमार आदि लोगों ने बताया खखराव गांव को जाने वाले सड़क के बीच में कई महिनों से पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका है ।लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक मरम्मत नहीं कराया इस मार्ग से सैकड़ों लोगों का आवागमन रहता है कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है यह सिर्फ एक टूटी हुई पुलिया नहीं, बल्कि हर दिन सैकड़ों लोगों की जान के साथ खेला जा रहा खुला खतरा है। किसान, छात्र, महिलाएँ, बुजुर्ग और और जरूरत पड़ने पर एम्बुलेंस तक इसी रास्ते से गुजरते हैं। जरा सी चूक किसी परिवार की खुशियाँ हमेशा के लिए छीन सकती है।

लेखन व पत्रकारिता का सामाजिक सरोकारों से गहरा नाता

» विकास भवन सभागार में प्रेस क्लब प्रतापगढ़ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विकास भवन स्थित सभागार में शनिवार को प्रेस क्लब प्रतापगढ़ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का समारोहपूर्वक शपथ ग्रहण हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना निदेशक दयाराम यादव तथा वरिष्ठ पत्रकार जगत बहादुर सिंह एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। परियोजना निदेशक दयाराम यादव तथा विशिष्ट अतिथि राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने नव निर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष अजय यादव, महासचिव नवीन श्रीवास्तव, सचिव योगेन्द्र नारायण, संगठन मंत्री अब्दुल मुहीब, कोषाध्यक्ष अंशुमान सिंह व प्रेस प्रवक्ता आसिफ सिद्दीकी को पद के उत्तरदायित्व का प्रतिज्ञान कराया। मुख्य अतिथि पीडी दयाराम यादव ने पत्रकारिता और लेखन को समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में आधार स्तम्भ कहा। विशिष्ट अतिथि ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकार की मजबूती में पत्रकारिता का अहम योगदान है। मुख्य वक्ता पूर्व अध्यक्ष दीपेन्द्र तिवारी ने मीडिया के समक्ष उत्पन्न वर्तमान चुनौतियों पर प्रकाश डाला। नव निर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता कहा। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार जगत बहादुर सिंह ने कहा कि आज के समय में स्वस्थ पत्रकारिता तथा सद्भावनापरक विचार सबसे बड़ी जरूरत है। वहीं आयोजन समिति द्वारा दयाराम यादव, ज्ञानप्रकाश शुक्ल व जगत बहादुर सिंह को बुकें एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन पूर्व अध्यक्ष हरिलाल विश्वकर्मा ने किया। निवर्तमान अध्यक्ष पंकज दुबे ने स्वागत भाषण तथा वासिफ खां ने आभार प्रदर्शन किया। समारोह को वरिष्ठ पत्रकार शिवशंकर तिवारी सोहगौरा, बीके शर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, अरविंद दुबे, लवलेश शुक्ला ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जयवीर सिंह, प्रदीप मिश्र, निलेश मिश्र, प्रदीप वर्मा, अमित दुबे, आदर्श शुक्ला, लाल अंकित प्रताप सिंह, आशीष सिंह, देवेन्द्र मिश्र, अरविंद पाण्डेय, शैलेष मिश्र, मो0 शरीफ खां, जय बहादुर सिंह, मो0 रईस, मो0 इस्याक आदि मौजूद रहे।

आबादी के बीच सूअर पालन से दुर्गंध और बीमारी फैलने की शिकायत

कार्रवाई न होने पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

अम्बेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने आबादी के बीच कथित रूप से अवैध सूअर पालन के मामले में सख्त रुख अपनाया है। नगर पालिका की ओर से जारी नोटिस में वार्ड नंबर-02 राजस्व ग्राम गौसपुर (ऊंचेगांव) निवासी एक व्यक्ति को तीन दिन के भीतर चारागाह एवं बंजर भूमि से सूअरबाड़ा हटाने का निर्देश दिया गया है। नगर पालिका को मिली शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चारागाह और बंजर भूमि पर अवैध रूप से सूअर पाले जा रहे हैं। सूअरों से निकलने वाला गंदा पानी और मल-मूत्र आबादी के बीच फैल रहा है, जिससे दुर्गंध के साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। शिकायत में इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बताया गया है।नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि तीन दिन के भीतर सूअरबाड़ा आबादी से दूर अपनी निजी भूमि पर स्थानांतरित कर अवैध कब्जा हटाया जाए, अन्यथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। मामले की प्रति कोतवाली अकबरपुर को भी भेजी गई है, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

22 जुलाई सम्मेलन को लेकर भाजपा की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोटन (सिद्धार्थनगर)। विधानसभा चुनाव 2027को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को अपना बूथ सबसे मजबूत बनाने के टिप्स वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए जा रहे हैं।उसी कड़ी में आगामी 22 जुलाई को आयोजित होने वाले विधानसभा स्तरीय बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी लोटन मण्डल की एक बैठक शनिवार को लोटन बाजार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित हुई।जिसमें सम्मेलन की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा डिजिटल लर्निंग अभियान की समीक्षा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि जिलामंत्री एवं मंडल प्रभारी बजरंगी वर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक अपनी बात पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि 22 जुलाई को आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन संगठन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक कार्यकर्ता डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण एवं परीक्षण अवश्य पूरा करें।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार शुक्ल ने सभी कार्यकर्ताओं से डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण एवं परीक्षण शीघ्र पूरा करने तथा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव, जिला मंत्री रामनरायण, क्षेत्रिय कार्य समिति सदस्य प्रतीमा वर्मा, जिलामंत्री पूनम जयसवाल, ब्लॉक महामंत्री सतीश वर्मा, रुद्र नारायण पांडेय, उपाध्यक्ष बब्लू पांडेय, सह मीडिया प्रभारी सूरज त्रिपाठी, पवन पांडेय, कृष्णदत्त त्रिपाठी, विनोद मिश्रा, शिवम विश्वास, अरुण मद्धेशिया, भगवान पांडेय, बब्लू गुप्ता, राधेश्याम शर्मा, भूनेश श्रीवास्तव, संदीप कुमार मद्धेशिया सहित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवसः 38 मामले आए 1 का निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। समाधान दिवस तहसील नौगढ़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील नौगढ़ में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0, उपजिलाधिकारी नौगढ़ तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस नौगढ़ में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 38 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-30, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-02, नगर पालिका-03, अन्य-03 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। राजस्व के 01 प्रार्थना-पत्र का निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

तहसील दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, डीएफओ नीला एम द्वारा तहसील नौगढ़ परिसर में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर डीएफओ नीला एम, प्र0 मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रमोद कुमार, पी0डी0 अनिल कुमार, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, तहसीलदार नौगढ़, तहसील नौगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दूध बेचकर लौट रहे बुजुर्ग की हत्या

सुल्तानपुर/चांदा। चांदा कोतवाली क्षेत्र के बरनी गांव में बीती रात 65 वर्षीय दूध व्यवसायी रमापति तिवारी की धारदार हथियार से हत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात उस समय हुई जब वह रोज की तरह चांदा बाजार में दूध बेचकर देर रात करीब 11 बजे घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि घर से कुछ ही दूरी पर अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल रमापति तिवारी सड़क पर गिर पड़े। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जबकि हमलावर फरार हो चुके थे। डायल-112 की सूचना पर पुलिस पहुंची और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा हेमंत और सबसे छोटा बेटा उनके साथ रहते थे, जबकि बीच का बेटा बलवंत अलग रहता है। बलवंत के दो बेटे शुभम और सुधांशु हैं। मृतक की बड़ी बहू ममता तिवारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि तीन दिन पहले रमापति तिवारी का अपनी बहू शशि नाती शुभम और सुधांशु से विवाद हुआ था। उनका आरोप है कि इसी रंजिश के चलते शुभम, सुधांशु और उनकी मां शशि ने मिलकर हत्या की है। ममता तिवारी ने साफ कहा कि जब तक आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक परिवार अंतिम संस्कार नहीं करेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। अभी हत्या के कारणों और आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

ताईक्वाण्डो कलर बेल्ट टेस्ट का होगा आयोजन

जलालपुर, अंबेडकर नगर। ताइक्वांडो एसोसिएशन के जिला सचिव मंगेश कुमार मां ने बताया कि उत्तर प्रदेश ताईक्वाण्डो एसोसिएशन के निर्देशन में अंबेडकर नगर ताईक्वाण्डो एसोसिएशन द्वारा रविवार 19 जुलाई को बुद्ध वॉरियर्स ताईक्वाण्डो एकैडमी एन डी इंटर कॉलेज जलालपुर आयोजित किया गया है विभिन्न ताईक्वाण्डो क्लब में प्रशिक्षण ले रहे सभी खिलाड़ी समय से बुद्ध वॉरियर्स ताईक्वाण्डो एकैडमी जलालपुर में आयोजित होने वाले कलर बेल्ट टेस्ट में हिस्सा ले सकते हैं। इसमें सभी खिलाडियों का बेल्ट के अनुसार टेस्ट में पूमसे, स्टांस ब्लॉक, ब्रेकिंग रिटन टेस्ट होगा।

मत्स्य विभाग की छः योजनाओं के लिए 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य कमलेश कुमार बौद्ध ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। विभागीय योजनाओं के अन्तर्गत लाभ प्राप्त करने के इच्छुक पात्र व्यक्ति 31 जुलाई तक विभागीय वेबसाइट द्वद्यद्धद्गह्लद्धद्गह्य.ह्वश्च.द्द४1.द्वठ्ठ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मत्स्य विभाग द्वारा राज्य सेक्टर के अन्तर्गत संचालित की जा रही योजनाओं में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अन्तर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, अन्तर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में मात्स्यिकी के विकास हेतु नये तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना शामिल हैं। योजनाओं के अन्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले आवश्यक अभिलेख एवं अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होने बताया है कि योजनाओं में यदि भविष्य में किसी प्रकार का संशोधन किया जाता है तो संशोधित प्राविधान ही प्रभावी होंगे। साथ ही, पूर्व वर्षों में निरस्त अथवा प्रतीक्षारत आवेदन वाले आवेदक भी इन योजनाओं के लिए पुनः आवेदन कर सकते हैं। योजनाओं से सम्बन्धित अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक व्यक्ति किसी भी कार्य दिवस में मत्स्य पालक विकास अभिकरण, कमरा संख्या-5, विकास भवन, प्रतापगढ़ से सम्पर्क कर सकते हैं।

21 जुलाई तक मौसम का अलर्ट, मेघगर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य कुमार प्रजापति ने मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के मद्देनज़र जनपद में आगामी दिनों के दौरान मेघगर्जन, वज्रपात, तेज आंधी और भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। उन्होने आमजन से सतर्क रहने तथा मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। उन्होने बताया है कि मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) लखनऊ द्वारा जारी चेतावनी के तहत जनपद प्रतापगढ़ में 18 जुलाई से 21 जुलाई तक सक्रिय मानसूनी परिस्थितियों के कारण मेघगर्जन, वज्रपात, तेज हवाएं तथा कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तथा झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। उन्होने बताया कि 18 एवं 19 जुलाई को यलो जोन तथा 20 एवं 21 जुलाई को जिले को ऑरैन्ज जोन में रखा गया है। उन्होने बताया है कि सावधानी के तौर पर खुले में ऐसी दशा में खुले में न रहकर किसी पक्के मकान में शरण लें, व्यर्थ की यात्रा से बचें, खिड़कियों, दरवाजे, बरामदे एवं छत से दूर रहे, ऐसी वस्तुएं जो बिजली की सुचालक हैं, उनसे सावधान रहें। बिजली के उपकरणों या तार के साथ संपर्क से बचें व बिजली के उपकरणों को बिजली के संपर्क से हटा दें। तालाब और जलाशयों से भी दूरी बनाये रखें। बाहर रहने पर धातु से बनी वस्तुओं का उपयोग न करें। बाइक, बिजली या टेलीफोन का खंभा, तार की बाड़, मशीन आदि से दूर रहें। धातु से बने कृषि यंत्र-डंडा आदि से अपने को दूर कर दें। आसमानी बिजली के झटके से घायल होने पर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र लें जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

स्थानीय रेडियों अन्य संचार साधनों से मौसम की जानकारी प्राप्त करते रहें। यदि खेत खलिहान में काम कर रहे हो और किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पायें हो तो जहां हैं वहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें से जैसे लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें तथा यथाशीघ्र सुरक्षित स्थान पर शरण लें, दोनों पैरों को आपस में सटा लें एवं दोनों हाथों से कानों को बंद कर अपने सिर को जमीन की तरफ यथा संभव शरीर को झुका लें तथा सिर को जमीन से न सटाए, जमीन पर कदापि न लेटें, ऊंचे इमारत वाले क्षेत्रों में शरण नहीं लें। साथ ही बिजली एवं टेलीफोन के खंभों के नीचे कदापि शरण नहीं लें, क्योंकि ऊंचे वृक्ष, ऊंची इमारते एवं टेलीफोन/बिजली के खम्भे आसमानी बिजली को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पैदल जा रहे हो तो धातु की डंडी वाले छातों का उपयोग न करें। यदि घर में हों तो पानी का नल, फ्रिज, टेलीफोन आदि को न छुए। एडवाइजरी में कहा गया है कि बिजली गिरने की घटनाओं से बचाव के लिए सचेत एवं दामिनी मोबाइल ऐप को अनिवार्य रूप से डाउनलोड करें, जिससे मौसम संबंधी पूर्व चेतावनी समय रहते प्राप्त हो सके और संभावित क्षति को कम किया जा सके। उन्होने कृषि मौसम आधारित पूर्वानुमान में किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। गन्ना, दलहन, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली तथा सब्जी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करने, मल्चिंग अपनाने तथा तेज हवा और वर्षा से फलों एवं सब्जियों को बचाने के उपाय करने की अपील की गई है। आम, केला और पपीता उत्पादकों को भी तेज हवा और अत्यधिक तापमान से फलों को होने वाले नुकसान से बचाव के लिए विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। आमजन से अपील की गई है कि मौसम संबंधी ताजा सूचनाओं पर नजर रखें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

पत्थर नसब की कार्रवाई में लापरवाही पर राजस्व निरीक्षक से मांगा स्पष्टीकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जमीन सम्बन्धी मामले के निस्तारण में लापरवाही को लेकर प्रभारी डीएम ने राजस्व निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वही समाधान दिवस में जमीन सम्बन्धी ज्यादातर मामले देखकर भी प्रभारी डीएम मातहतों पर तल्ख दिखे। डीएम की अध्यक्षता में यहां समाधान दिवस को लेकर बड़ी संख्या में सुबह से ही फरियादी जमे दिखे। हालांकि जनपद मुख्यालय से बाहर होने के कारण डीएम अभिषेक पाण्डेय समाधान दिवस में नही आ सके। प्रभारी डीएम के रूप में मुख्य विकास अधिकारी राम मोहन मीना ने शिकायतो की सुनवाई की। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की छान्नवे, पुलिस की बीस व विकास की दो, बेसिक शिक्षा एक, विद्युत नौ, आपूर्ति दो व अन्य विभाग की सत्ताईस रही। कुल एक सौ सत्तावन शिकायतों में अफसरों ने ग्यारह शिकायतों का निस्तारण कराया। सीडीओ के सामने अगई के एक फरियादी ने जमीन सम्बन्धी पत्थर नसब की कार्रवाई न होने को लेकर राजस्व निरीक्षक के द्वारा लापरवाही को लेकर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। सीडीओ ने सम्बन्धित राजस्व निरीक्षक को तलब किया तब वह गैरहाजिर मिले। इस पर नाराजगी जताते हुए क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक धर्मराज का स्पष्टीकरण तलब कर लिया। सीडीओ ने ज्यादातर जमीनी विवादों में दोबारा शिकायतें देखी तब उनका पारा चढ़ आया। उन्होने नवागान्तुक एसडीएम वाचस्पति सिंह व तहसीलदार रवि यादव को रैण्डम चेकिंग के निर्देश दिये। पुलिस से जुड़ी शिकायतें सीओ राजीव द्विवेदी ने सुनीं। इस मौके पर जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी, नायब तहसीलदार वीरेन्द्र कुमार मिश्र, वन क्षेत्राधिकारी प्रेमचंद्र मिश्र, नायब तहसीलदार पंकज कुमार, एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार, बीडीओ लालगंज मानवेन्द्र शर्मा, अधीक्षक डा0 अरविन्द गुप्ता, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ला आदि रहे।

अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे कदीम राँकी गाँव निवासी मिठाई लाल पुत्र विंध्यादीन शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि स्टेट बैंक आफ इंडिया शाखा ननौती में उसका खाता है। खाते में लिंक मोबाइल नम्बर पर मैसेज आया कि लोन चाहिए तो पांच हज़ार रुपये दिए गये क्यू आर कोड पर भेजिए।

पैसा मैंने भेज दिया लेकिन लोन नहीं हुआ। उसके बाद इक्कीस हज़ार माँगा गया मैंने उसको भी भेज दिया। इसी तरह झांसा देकर कुल चार लाख रुपये ठग ने ले लिया, लेकिन कोई लोन अभी तक नहीं हुआ। उदयपुर एसओ दीप नारायण के अनुसार जाँच कर विधिक कार्यवाही की जायेगी।

कचनरवा बाजार में मीट विक्रेताओं के हौसलें बुलंद, खुलेयाम सड़क पर बेचा जा रहा है मीट

मुख्य बाजार, अस्पताल रोड व बागेसोती मार्ग पर सड़क किनारे हो रही मुर्गा-मछली की बिक्री, संक्रामक रोग फैलने की आशंका; स्थानीय लोगों ने डीएम से लगाई कार्रवाई की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- ओबरा तहसील क्षेत्र के कोन थाना अंतर्गत कचनरवा मुख्य बाजार में खुलेआम सड़क किनारे मुर्गा, मछली और मांस की बिक्री से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। आरोप है कि बाजार, अस्पताल मार्ग, बागेसोती रोड और कोन-विंढमगंज मार्ग पर मीट विक्रेताओं ने सड़क तक कब्जा कर रखा है, जिससे राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है, जिसके चलते अवैध मीट विक्रेताओं के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार शिकायतें और समाचार प्रकाशित होने के बावजूद संबंधित विभाग ने सिर्फ औपचारिक कार्रवाई की। कुछ माह पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापेमारी कर दो दुकानदारों पर कार्रवाई की थी, लेकिन उसके बाद फिर से खुलेआम सड़क किनारे मांस और मछली की बिक्री शुरू हो गई।

लोगों का कहना है कि सड़क पर ही मुर्गों का वध और मांस की कटाई होने से आसपास गंदगी और दुर्गंध फैली रहती है। बाजार से गुजरने वाले लोगों पर खून और पानी के छींटे पड़ने की शिकायतें भी सामने आती हैं। इससे न केवल विवाद और मारपीट की आशंका बनी रहती है, बल्कि संक्रामक रोग फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। जबकि जिले में इन दिनों संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है, ऐसे में कचनरवा बाजार की स्थिति अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि बाजार में कुछ मिठाई और नाश्ते की दुकानों पर भी मानकों की अनदेखी करते हुए बासी एवं खराब गुणवत्ता की खाद्य सामग्री बेची जा रही है। लोगों ने खाद्य सुरक्षा विभाग से पूरे बाजार का व्यापक निरीक्षण कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार खुले में मांस का प्रदर्शन और बिक्री प्रतिबंधित है। खाद्य सुरक्षा विभाग के नियमों के तहत मांस विक्रेताओं के लिए वैध लाइसेंस, स्वच्छता मानकों का पालन तथा दुकान को इस प्रकार ढंकना अनिवार्य है कि बाहर से मांस दिखाई न दे। नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना, लाइसेंस निरस्तीकरण और दुकान सील करने तक का प्रावधान है। इसके बावजूद कचनरवा बाजार में नियमों की खुलेआम अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

कैलाश हिल्स हत्याकांड में आरोपित को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

दिल्ली। अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित कैलाश हिल्स में आईआरएस अधिकारी की बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में आरोपित राहुल मीणा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद शनिवार को साकेत कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपित को फिर से 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में अगली सुनवाई अब एक अगस्त को होगी। आरोपित आईआरएस अधिकारी का पूर्व घरेलू सहायक था, जिसे फरवरी में ही गलत व्यवहार और वित्तीय हेराफेरी के कारण निकाल दिया गया था। बदला लेने के लिए उसने वारदात को अंजाम दिया। कोर्ट में प्रस्तुत 973 पन्नों की चार्जशीट में पुलिस ने 82 गवाहों के बयान दर्ज किए हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र जमुनाबाद में मूंगफली उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गोला गोकर्णनाथ खीरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, जमुनाबाद में तिलहन फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय मूंगफली उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्राध्यक्ष डॉ. एस. के. विश्वकर्मा ने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर ही तिलहन उत्पादन को अधिक लाभदायक बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि किसी भी फसल की अधिक उपज के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। केंद्र के फसल वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने किसानों को बताया कि तिलहनी फसलें अधिक पोषक तत्वों की आवश्यकता रखती हैं। इसलिए मृदा परीक्षण कराना आवश्यक है, जिससे यह पता चल सके कि मिट्टी में किन पोषक तत्वों की कमी है और कितनी मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि मूंगफली की अच्छी पैदावार के लिए कैल्शियम एवं सल्फर युक्त उर्वरकों का प्रयोग जरूरी है। इसके लिए बुआई से पूर्व अंतिम जुताई के समय प्रति एकड़ 2 क्विंटल जिप्सम खेत में मिलाना चाहिए।

चंडीगढ़ में अतिक्रमण से मिलेगी राहत, 498 रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं को मिला स्थायी ठिकाना

चंडीगढ़। शहर को अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने के मकसद से बड़ा कदम उठाया गया है। नगर निगम शनिवार को 498 पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को 498 खाली वेंडिंग साइटें आवंटित कीं। यह ड्रॉ शहर के विभिन्न अधिसूचित वेंडिंग जोन के लिए नगर निगम के वेंडर सेल द्वारा आयोजित किया गया। ड्रॉ प्रक्रिया संयुक्त आयुक्त डॉ. हिमांशु गुप्ता, पार्षद एवं आब्जर्वर तरुणा मेहता, टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की सदस्य चंचल रानी और सबरा तथा वेंडर सेल के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न हुई। पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराई गई। नगर निगम के अनुसार, वेंडिंग साइटों का आवंटन स्ट्रीट वेंडर्स (प्रोटेक्शन आफ लाइवलीहुड एंड रेगुलेशन ऑफ स्ट्रीट वेंडिंग) एक्ट-2014, चंडीगढ़ स्ट्रीट वेंडर्स नियम एवं योजना तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप किया गया। नगर निगम ने बताया कि इस पहल से पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को सुरक्षित और निर्धारित स्थानों पर कारोबार करने का अवसर मिलेगा, जिससे वे सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका चला सकेंगे। साथ ही शहर में अनधिकृत वेंडिंग पर अंकुश लगाने, यातायात और सार्वजनिक स्थानों के बेहतर प्रबंधन तथा स्वच्छ और व्यवस्थित शहरी वातावरण बनाने में भी मदद मिलेगी।

जारी है सोनम वांगचुक का अनशन

डॉक्टरों की सलाह को किया दरकिनार, अस्पताल में भी जारी है सोनम वांगचुक का अनशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती जलवायु कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन 20 दिन के उपवास से उनकी सेहत पर गंभीर असर पड़ा है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद भी उन्होंने अनशन जारी रखा है। उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने मांग की है कि परिवार और पिछले 20 दिनों से उनकी निगरानी कर रहे डॉक्टरों की सहमति के बिना उन्हें मुंह से या नस (आइवी) के जरिये कोई दवा या तरल पदार्थ न दिया जाए। सफदरजंग अस्पताल के हेल्थ बुलेटिन के अनुसार दिल्ली पुलिस सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह अस्पताल लेकर पहुंची थी, उन्हें 7:40 बजे भर्ती किया गया। वह पूरी तरह होश में और सजग थे। पर, लंबे उपवास और डिहाइड्रेशन के कारण वह कमजोर हैं। जांच में शरीर में अम्लता बढ़ने के संकेत पाए गए, पोटेशियम का स्तर कम मिला और ब्लड शुगर 78 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर मिली। चिकित्सकों ने आइवी फ्लूड, रीहाइड्रेशन फ्लूड और दवा देने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने लेने से इन्कार कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी दी है कि विशेषज्ञ चिकित्सक उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। उधर, वांगचुक के निजी डॉक्टर डॉ. नितिन दिघे ने दावा किया कि शुक्रवार को उनकी जांच में पोटेशियम 4.8 था। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें और उनके वकील को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया तथा परिवार के मांगने के बावजूद अस्पताल जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं करा रहा है।

लोनी में बाइक हॉर्न विवाद में हत्या

लोनी। बार्डर थाना क्षेत्र में बाइक का हार्न बजाने पर गोली मारकर युवक की हत्या के मामले में शनिवार को लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर और सपा कार्यकर्ताओं ने पीड़ित स्वजन से मिलकर ढांढस बंधाया। बता दें कि रतिराम कालोनी में 12 जुलाई की देर रात बाइक पर घर लौट रहे 25 वर्षीय विपिन की पड़ोस में रहने वाले बदमाश सोनू ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। विपिन की हत्या महज बाइक का हार्न बजाकर रास्ता मांगने पर हुई थी। घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारोपित फरार हो गया था। मामले में पुलिस ने मुकदमे में नामजद उसके पिता व पत्नी को गिरफ्तार किया था। वहीं, हत्यारोपित की गिरफ्तारी न होने से स्वजन में रोष है। मृतक के भाई आजाद ने बताया कि शनिवार को समाज के लोग व सपा कार्यकर्ताओं ने घर पहुंचकर और स्वजन को ढांढस जताया। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मृतक के स्वजन से मिलकर हत्यारोपित की जल्द गिरफ्तारी व सरकार द्वारा हर संभव सहायता दिलाए जाने का आश्वासन दिया। सपा कार्यकर्ता व पूर्व राज्यमंत्री रमेश प्रजापति ने स्वजन को बताया कि पीड़ित परिवार की हर संभव मदद कराई जाएगी। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि हत्यारोपित की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।

पूर्व एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर/जालंधर। थाना टांडा (होशियारपुर) में तैनात रहे तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को कथित भ्रष्टाचार एवं रिश्वत मांगने के मामले में पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई उस मामले में की गई है, जिसमें अमेरिका में रह रहे एक परिवार की शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला बलविंदर सिंह निवासी मियानी के हत्या प्रकरण से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि जांच के दौरान तत्कालीन एसएचओ ने अमेरिका में रह रहे संबंधित परिवार से चार लाख अमेरिकी डॉलर की कथित रिश्वत की मांग की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि मांग पूरी न होने पर परिवार के सदस्यों को हत्या के मामले में फंसाने की धमकियां दी गईं। बताया जाता है कि पीड़ित परिवार ने इस संबंध में अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई (Federal Bureau of Investigation) से शिकायत की। शिकायत के बाद एजेंसी ने मामले की जांच शुरू की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जांच के दौरान कथित तौर पर ऐसे साक्ष्य सामने आए, जिनमें संबंधित अधिकारी द्वारा परिवार से संपर्क कर धन की मांग और धमकियां दिए जाने के आरोप शामिल थे। मामले के सामने आने के बाद पंजाब पुलिस ने तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को पहले निलंबित कर लाइन हाजिर किया था।

इसके बाद विस्तृत जांच के उपरांत जालंधर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान कुछ गैंगस्टरों से कथित संबंधों की भी जांच की गई थी। हालांकि, इस संबंध में अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी की कोठी में फंदे पर लगी मिली युवती

चंडीगढ़। शहर के पॉश सेक्टर-10 में रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी की कोठी में घरेलू नौकरानी फंदे पर लगी मिली।परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। 19 वर्षीय रोशनी मूलरूप से उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले की रहने वाली थी। एक सप्ताह पहले ही इस कोठी में घरेलू काम पर आई थी। पुलिस के अनुसार, रोशनी को कोठी की पहली मंजिल पर रहने के लिए कमरा दिया गया था। घर के सदस्यों ने सुबह करीब आठ बजे रोशनी को आवाज लगाई, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। कई बार फोन करने पर भी उसने मोबाइल नहीं उठाया। इसके बाद, दरवाजा तोड़कर देखा गया तो वह चुन्नी के सहारे पंखे से लटकी मिली। उसका मोबाइल फोन कमरे में ही पड़ा हुआ था। पुलिस ने तुरंत घटना की सूचना मिलने पर सेक्टर-16 स्थित सरकारी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल (जीएमएसएच) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की, लेकिन कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। इस कारण आत्महत्या के कारणों का पता लगाना मुश्किल हो रहा है।

बड़ागांव का मुख्य मार्ग बना दल-दल

बच्चों और बुजुर्ग व राहगीरों जल भराव व कीचड़ में निकलने को मजबूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी– विकासखंड नकहा ब्लॉक सदर तहसील की ग्राम पंचायत बड़ागांव में सरकारी दावे पूरी तरह फेल होते नजर आ रहे हैं बड़ागांव के मुख्य मार्ग की स्थित बेहद ख़राब हो चुकी है जहां जगह जल भराव और कीचड़ ने ग्रामीणों का जीना दुभर कर दिया है ग्रामीणों का आऱोप, है कि बड़ागांव बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और गांव का प्रधान पूरी तरह अनजान बने हुए हैं हालात यह है कि बड़ागांव के लोग रोजाना कीचड़ और गंदे पानी से होकर गुजरने को मज बूर है मुख्य मार्ग पर फैले कीचड़ के कारण राहगीरों और ग्रामीणों को भीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है बच्चों को भारी दिक्कतो का सामना करना पड़ ख़तरे से खाली नहीं है कई बार लोग फिसल कर गिर भी चुके हैं ग्रामीणों का कहना है कि जल भराव और गंदगी के कारण के कारण बड़ागांव में संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है जिससे डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों का डर बना हुआ है स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो वो आंदोलन करने को लेकर मजबूर होंगे क्योंकि कई बार बड़ा गांव के ग्राम प्रधान से शिकायत की गई उसके बावजूद प्रधान ने ध्यान नहीं दिया नजरअंदाज कर दिया !

थारीके-दाद में ग्लाडा का बुलडोजर, 6 अवैध इमारतें सील कर ढहाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और ग्रेटर लुधियाना क्षेत्र विकास प्राधिकरण (ग्लाडा) के मुख्य प्रशासक विकास हीरा के निर्देश पर ग्लाडा ने अवैध कॉलोनियों और निर्माण कार्यों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में गांव थारीके और दाद में छह अवैध इमारतों को सील कर ध्वस्त कर दिया गया। ग्लाडा के अतिरिक्त मुख्य प्रशासक द्वारा जारी आदेशों के अनुपालन में 16 जुलाई को ड्यूटी मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और नियामक शाखा की प्रवर्तन टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। संबंधित डेवलपर्स को पहले ही नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन निर्माण कार्य बंद नहीं किए जाने पर पंजाब क्षेत्रीय एवं शहरी योजना तथा विकास अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए इमारतों को सील कर गिरा दिया गया। यह अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले सप्ताहों में भी अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण कार्यों को शुरुआती चरण में ही रोका जा सके। ग्लाडा के मुख्य प्रशासक ने लोगों से अपील की कि किसी भी कॉलोनी में भूखंड या भवन खरीदने से पहले उसकी वैधता की पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों में रहने वालों को पेयजल, सीवर, सड़क, बिजली सहित अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने निवेश से पहले ग्लाडा की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध स्वीकृत एवं नियमित कॉलोनियों की सूची में संबंधित परियोजना की स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी। ग्लाडा के अतिरिक्त मुख्य प्रशासक ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति विकास कार्यों में शामिल सभी लोगों और डेवलपर्स के खिलाफ आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई, सीलिंग और ध्वस्तीकरण अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य सुनियोजित शहरी विकास सुनिश्चित करना और लोगों की मेहनत की कमाई को अवैध परियोजनाओं में फंसने से बचाना है।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पटियाला ने एनिमल बर्थ कंट्रोल प्रोग्राम को किया मज़बूत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला। शहर में पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम पटियाला की अतिरिक्त आयुक्त सिमरप्रीत कौर ने मोदी कॉलेज के पास स्थित सरकारी पॉली क्लीनिक में संचालित एबीसी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य शाखा, एबीसी केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ केंद्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त आयुक्त ने कुत्ता शेडों के रखरखाव, साफ-सफाई, आधारभूत सुविधाओं और समग्र प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने एबीसी कार्यक्रम के तहत रखे जा रहे अभिलेखों, रजिस्टरों और अन्य दस्तावेजों का भी निरीक्षण कर निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। सिमरप्रीत कौर ने बताया कि नगर निगम ने कुत्ता काटने की शिकायतों के लिए पहले ही आपातकालीन हेल्पलाइन (+91 62846 68219) शुरू कर दी है। इसके माध्यम से नागरिक कुत्ते के काटने और अन्य संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि महापौर कुंदन गोगिया और निगम आयुक्त पूजा सियाल ग्रेवाल के निर्देश पर वार्डवार और चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की शत-प्रतिशत नसबंदी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नविंदर सिंह, सहायक शल्य चिकित्सक डॉ. अंकित नारंग तथा स्वास्थ्य शाखा के अधिकारियों को विशेष कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि वर्तमान एबीसी केंद्र में 15 शेड हैं, जहां परियोजना प्रमुख, सहायक शल्य चिकित्सक, पशु चिकित्सा सहायक, कुत्ता पकड़ने वाली विशेष टीम तथा एक सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि 25 शेड क्षमता वाला नया एबीसी केंद्र लगभग तैयार है और जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। इसके चालू होने से आवारा कुत्तों की नसबंदी और ऑपरेशन के बाद उनकी देखभाल की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि मैदानी कार्रवाई को और प्रभावी बनाने के लिए एक अतिरिक्त कुत्ता पकड़ने वाली गाड़ी और विशेष टीम तैनात की जाएगी। साथ ही कार्यक्रम की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जाएगी। सिमरप्रीत कौर ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों तथा पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुरूप घलोरी के पास 1.61 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित डॉग शेल्टर के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा और इसे अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह शेल्टर आवारा कुत्तों के मानवीय संरक्षण, देखभाल और पुनर्वास की आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम पटियाला जनसुरक्षा और पशु कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए उच्चतम न्यायालय के निर्देशों तथा पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुसार आवारा पशुओं के मानवीय एवं वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मोदी की फेरी पंजाब के विकास को पहुँचाएगी नए शिखरों पर- संदीप मित्तल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। संदीप मित्तल भाजपा नेता द्वारा कहा गया कि है प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी द्वारा 17 जुलाई को चंडीगढ़ तथा जालंधर छावनी में स्वमं पहुँच कर पंजाब के विकास कार्यो को हरी झंडी देना पंजाब के विकास के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाने वाला अध्याय है। जालंधर छावनी में 75 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करके उन्हे विश्व स्तरीय दर्जा देना विकसित भारत के सकल्प की और बढ़ा हुआ कदम माना जाएगा। क्लढ़ु में स्व्क्कर का कोर्स शुरू कराने तथा बहुत से राज्य मार्गो के उद्घाटन पंजाब तथा केंद्र शासित चंडीगढ़ के विकास के नए आयाम मिले है। मित्तल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी ने हमेशा ही पंजाब के लिए बहुत कुछ सोचा तथा बहुत कुछ किया भी है। गुरुओं के प्रति सम्मान तथा सिख्खो के मसले हल कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी सदैव तत्पर रहते है। मित्तल ने कहा केंद्र की भाजपा सरकार पंजाब के विकास के लिए बहुत कुछ कर रही है तथा उसे नए शिखरों पर ले जाने के लिए तत्पर है। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार अपनी तरफ से कोई भी उन्नती का काम नहीं कर रही बलकि केंद्रीय स्कीमों को तोड़ -मरोड़ कर ख़राब कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के पुनरुत्थान के लिए पंजाब में 2027 में भाजपा की सरकार लाने से प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी द्वारा पंजाब को दी गई देन का पंजाब ऋण उतार सकेगा। अगर पंजाब के लोग पंजाब की सभी समस्याओं का हल चाहते है तो 2027 में भाजपा की सरकार ला कर ही पंजाब का भला हो सकेगा।

नए पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार से दिल्ली के व्यापारियों को बड़ी आस

नई दिल्ली। दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त से समस्त दिल्ली वासियों के साथ ही दिल्ली के कारोबारी हब को भी बड़ी उम्मीदें है। खासकर पूर्व में दिल्ली में उनकी तैनाती के दौरान सख्त व ईमानदार छवि को याद करते हुए व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि बाजारों में कानून व्यवस्था, अतिक्रमण, अवैध पार्किंग व बिल्डर माफिया पर बड़ी चोट की उम्मीद कर रहे हैं। शुक्रवार को गृह मंत्रालय के जारी ऐतिहासिक आर्डर में सतीश गोलछा को हटाकर अनुराग कुमार को दिल्ली का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया। तत्काल ही अनुराग कुमार ने पदभार ग्रहण कर दिल्ली पुलिस को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। वहीं, व्यापारी संगठनों ने अनुराग कुमार के दिल्ली में पूर्व के कार्यकाल को याद करते हुए ''कारोबारी हब'' में बड़े सुधार की उम्मीद जताई है।

अमृतसर में सीमा पार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

विदेशी तस्करों से जुड़े थे आरोपी, अपराधियों तक पहुंचनी थी खेप; जांच जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर। पंजाब में नशा और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार संचालित एक तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 5.557 किलोग्राम हेरोइन, दो आधुनिक पिस्तौल और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश संधू (30) निवासी रामबाग, सुनील सरोज (40) निवासी खाई मोहल्ला, हरविंदर सिंह उर्फ चमकौर (32) और वंश सिंह (40) निवासी गांव छिदन, अमृतसर के रूप में हुई है। इनमें आकाश संधू, सुनील सरोज और हरविंदर सिंह के खिलाफ पहले से ही मादक पदार्थ और शस्त्र अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं। बरामद हथियारों में एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और एक .30 बोर पिस्तौल शामिल है। पुलिस ने आरोपियों की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी विदेशी तस्करों के संपर्क में थे और नशीले पदार्थों व हथियारों की खेप अपराधियों तक पहुंचाने का काम करते थे। मामले में इनके अन्य साथियों और नेटवर्क की कड़ियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पुलिस आयुक्त (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने सबसे पहले आकाश संधू को 192 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर 776 ग्राम हेरोइन और बरामद की गई। पूछताछ में आकाश ने बताया कि उसे यह खेप सुनील सरोज से मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने सुनील को 4.589 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने हरविंदर सिंह उर्फ चमकौर और वंश सिंह को भी गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से दो आधुनिक पिस्तौल बरामद हुई। पुलिस के अनुसार हरविंदर सिंह पहले से ही छेहरटा थाने में दर्ज वाणिज्यिक मात्रा में हेरोइन बरामदगी के एक मामले में वांछित था। जांच में यह भी सामने आया कि हरविंदर और वंश सिंह अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित एक ही गांव के निवासी हैं और सीमा पार से नशीले पदार्थों व हथियारों की तस्करी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। इस मामले में इस्लामाबाद और छेहरटा थानों में मादक पदार्थ एवं शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

ब्लाक रमियांबेहड़ मे खाद कारोबारियों की मनमानी जारी, यूरिया संग किसानों को थमा रहे ,पैकेट

जनपद में यूरिया खाद की आपूर्ति नियमित हो रही है। लेकिन विभागीय अफसर खाद कारोबारियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगा पा रहे। निर्धारित से अधिक मूल्य पर किसानों को यूरिया बेचा जा रहा है। कारोबारी यूरिया के साथ अनुपयोगी सामग्री (लगेज) भी किसानों को जबरन थमा रहे हैं।आपत्ति करने पर यूरिया नहीं दिया जाता। ये स्थिति तब है, जब प्रतिदिन दर्जनों दुकानों का निरीक्षण कृषि विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। विभागीय अफसर खाद कारोबारियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगा पा रहे। किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध हो सके, इसके लिए सरकार ने खाद पर मोटा अनुदान दिया है। इसके बाद भी किसानों को सरकारी मूल्य पर खाद उपलब्ध नहीं हो पा रहा। धान,, मक्का , गन्ना की फसल कर रहे किसानों को इन दिनों यूरिया की जरूरत है। सरकारी मूल्य 266.50 रुपये प्रति बैग निर्धारित है। जबकि, फुटकर दुकानों पर यह बैग किसानों को 300 रुपये से 500 रुपए तक दिया जा रहा है। इसके अलावा जिंक, पोटास आदि अनुपयोगी सामग्री भी किसानों को जबरन बेची जा रही है। किसानों का कहना है कि ये सामग्री न खरीदें तो यूरिया नहीं मिलता। वहीं, फुटकर खाद विक्रेताओं का कहना है कि थोक विक्रेता उन्हें लगेज बेचते हैं। लगेज न लिया जाए तो खाद नहीं देते।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशाला शुरू

17 से 31 जुलाई तक संगीत, नृत्य, नाटक और चित्रकला का मिलेगा प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। दूरदराज़ क्षेत्रों के बच्चों और युवाओं में छिपी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें कला एवं संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा स्थित सीवीपी हायर सेकेंडरी स्कूल में 17 से 31 जुलाई तक आयोजित पंद्रह दिवसीय ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशाला का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। असम सरकार के सांस्कृतिक परिक्रमा विभाग की पहल, श्रीभूमि जिला प्रशासन के सहयोग और विजय उड़ान संस्था के संचालन में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य देवाशीष सिन्हा, सेवानिवृत्त प्राचार्य ब्रजगोपाल सिन्हा, दुल्लभछड़ा सहकारी समिति के सचिव एवं समाजसेवी दीपन सिन्हा, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मृणाल सिन्हा, विजय उड़ान संस्था के सचिव मनोज नाथ तथा शिक्षक प्रदीप दास सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों का पारंपरिक सम्मान भी किया गया। कार्यशाला में संगीत, नृत्य, नाटक और चित्रकला सहित विभिन्न विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संगीत का प्रशिक्षण आशुतोष सिन्हा, नृत्य का प्रशिक्षण वीरेश्वर सिन्हा तथा चित्रकला का प्रशिक्षण रुहित दत्त दे रहे हैं। प्राचार्य देवाशीष सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2023 से ग्रीष्मकालीन अवकाश को विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास से जोड़ने के उद्देश्य से इस पहल की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि पाठ्य शिक्षा के साथ कला और संस्कृति का अभ्यास भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को कला, संस्कृति और खेलों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और यह कार्यशाला उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की शिक्षा और संस्कृति से जुड़ी विभिन्न पहलों की भी सराहना की गई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता मनोरंजन सिन्हा (रानू) ने विजय उड़ान संस्था के सचिव मनोज नाथ से दुल्लभछड़ा के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर डस्टबिन लगाने का अनुरोध किया, जिस पर उन्होंने सकारात्मक आश्वासन दिया। '31 जुलाई तक चलने वाली इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को संगीत, नृत्य, नाटक और चित्रकला का नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उन्हें अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने विश्वास जताया कि सरकार की यह पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।